परमेश्वर द्वारा बुलाया हुआ मनुष्य

... नेविल। मुझे खेद है कि आपको दीवार के सहारे इतने समय तक खड़ा रखा। मैं यहां से दूसरे निर्धारण की ओर निकल गया था, लगभग एक या आधा घंटा पहले, और लोग दरवाजे पर से लौट रहे थे, जा रहे थे। मैं बिली से मिला, और उसने कहा कि स्थान इस दोपहर बाद से सभा के लिए तैयार है। इसलिए मैं... हमारे यहां एक छोटी सी सभा थी। हमने इसे लोकल अखबारों में भी नहीं दिया था। इसलिए, हमारे पास संगति के लिए थोड़ा समय था।

2 जैसे कि नगर से बाहर के लोग जानते होंगे, जब घर पर रहा जाता है, तो हर समय व्यस्त रहते हैं, हमेशा जल्दी में रहते हैं, इधर उधर जाना, और जल्दी–जल्दी। इसलिए, मैं इस बात का अभ्यस्त हो गया हूं। मैं ऐसे स्थान में जाता हूं जहां तक हो सके, मुझे इन बातों कि चिंता ना करनी पड़े। और आप जानते हैं, कि आपको थोड़ा समय खर्च करना पड़ता है, और प्रभु के साथ, अधिक से अधिक रहे। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आप सभा में पवित्र आत्मा की ताजगी के साथ नहीं आ सकते हैं। और जब आप अन्दर आते हैं, जैसे कि आज हुआ, जहां कि केवल एक बड़ा मोह है, तो, कभी–कभी मेरे लिए एक प्रकार से कठिन है, कि इन छोटे–छोटे झटको धक्को से बचकर आऊं, आप समझे, और स्वयं को परेशान करूं। जब मैं ऐसा करता हूं, तो मैं इसमें कहीं भी पवित्र आत्मा नहीं देख पाता हूं।

3 इसलिए मुझे खेद होता है, यदपि लोगों के लिए जो आराधनालय के गलियारे में—में और बाहर चारों ओर खड़े रहते हैं। और वे आकर भीतर देखते हैं, और वापस कार में जाकर वापस हो जाते हैं। मैं यहाँ कुछ रात्रि की सभाओं के लिए हाईस्कूल को लेना चाहता था, परंतु आजकल वह विद्यालय चल रहा है, और इस समय के चलते मेरे लिए यह कठिन है। परंतु मैं यह कहना चाहता हूं कि निश्चय ही मैं आप में से प्रत्येक की सराहना करता हूं, जो अंदर और बाहर है, और आपके अच्छे सहयोग के लिए, और उस सब के लिए जो आपने किया है।

4 और इस प्रात: संडे स्कूल, मैंने इन लोगों का धन्यवाद किया, जिन्होंने बीती रात्रि मेरे लिए दान दिया, जो कि एक अविनय दान था। खुले रुप

में, मैंने यहां के सेवक, हमारे पास्टर, भाई नेविल, और उन्हें बता दिया था मैं चाहूंगा कि वे यह ना करें। परंतु उन्होंने किया, जो भी है, सो मैं इसे बताना चाहता हूं। अब, यह एक छोटा स्थान है, और यहां मैं नहीं सोचता कि तीन सौ लोगों से अधिक बैठ सकते हैं। और दान तीन सौ चौबीस डॉलर था, जिसका अर्थ है औसतन प्रत्येक ने लगभग एक डॉलर दिया। यह मेरे जीवन का यह सबसे अच्छा दान है जो कभी मुझे मिला, इन लोगों की गिनती के अनुसार। अधिकतर, यह प्रति व्यक्ति चौबीस सेन्ट के लगभग होता है, पच्चीस। सत्ताईस सेन्ट प्रति व्यक्ति बड़ा दान होता है। परंतु इसका औसत एक डॉलर प्रति व्यक्ति। और निश्चित ही मैं इसकी सराहना करता हूं।

5 और संभव है यह प्रात: मुझे ना मिलती कि मैं आप लोगों पर यह प्रगट ना करता। हमें फलों का मुरब्बा मिला, मुरब्बे का बॉक्स सीढ़ियों पर रखा हुआ था, और एक साधारण से व्यक्ति ने यह हमें भेजा। पत्नी और मैं हम अपना धन्यवाद आप लोगों पर प्रगट करना चाहते हैं। और मैं निश्चित हूं, सबसे अच्छा जो हम जानते हैं कि यह सब परमेश्वर के राज्य के लिए है।

6 और इससे मुझे कुछ ऐसा लगा मेरी इच्छा है मेरे पास बड़ा सा स्थान होता जहां पर हम लंबे समय के लिए इसे जारी रखते और लोगों की सेवा करते। परंतु आज ही रात्रि सभा के पश्चात, मुझे जाना है। जो कि मैं आज रात नहीं जा पाऊंगा, परंतु प्रातः जल्द ही चला जाऊंगा।

7 अगले शनिवार रात्रि मैं वापस आकर, और रविवार प्रातः कोलोरेडो को फिर रवाना होऊंगा। और रात्रि के बाद दूसरी रात्रि जाना है।

8 और तब मेरी अगली विदेश की सभाएं जनवरी में है, जो कि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड और उनमें से होते हुए। और मैं चाहता हूं कि आप मेरे लिए प्रार्थना करें। निश्चय ही मेरी इच्छा है कि आप लोग प्रार्थना करें।

9 और तब मैं चाहता हूं... कि हम सब उस सर्व सामर्थी परमेश्वर के आभारी हो, जिसने हमारी इस छोटी सी सभा में इतने बड़े कार्य किए हैं। समय अवधि के लिए, मेरा विश्वास है कि यह सभा अधिक गुण संपन्न रही बजाये किसी और सभा के जो कि अपने जीवन में मैंने कभी इस आराधनालय में की। कि लगता है प्रभु आशीषे देने पर है।

10 मैंने सोचा संभव है, इस सभा की अवधि में, कि दर्शनो से जो कि मुझे मिलते हैं मेरी सेवकाई इससे अच्छी और महान सेवकाई में बदलने जा रही है। अब, जैसा कि आप लोगों ने सुना है यह होने ही वाला है जो कि इन तीन सेवाओं की भविष्यवाणी हुई है, या इन दोषी दो की। यह वाली भी उसी तरह की होगी, केवल उससे बड़ी। परंतु इस पहली रात्रि, मैंने केवल लोगों को यहां सामने अल्टर पर बुलाया, और सीधा उनको वार पार समझाने में चला गया। दूसरी रात्रि, मैं उन्हें कमरे में ले गया, और सीधा–सीधा उनके विचारों और स्थितियों को जानने में चला गया। और तब अंतिम दो रात्रियां हम उन्हें यहां मंच पर लाए और सीधे–सीधे उनको वार पार समझने में चला गया।

11 परंतु कुछ बातों का ब्योरा देने के लिए, मंच पर एक सेवक ने अपनी दृष्टि प्राप्त की।

12 और गत रात्रि, दो छोटी–छोटी बालिकाएं अपनी पहिए वाली कुर्सी पर, बीमारी के साथ थी और कोई नहीं जानता था कि यह क्या है कोई डॉक्टर नहीं। उनके पैर बड़े–बड़े, और उनके पंजे झड़ रहे थे, उंगलियां झड़ रही थी, उनके लिए कुछ भी नहीं किया जा सकता था। और जब आत्मा का अभिषेक था, मैं प्रभु यीशु के नाम में गया, और उस रोग को श्रापित किया, और वे पहिये वाली कुर्सी में से उठ कर चली गई। और आज प्रात:, इस आराधनालय में और बालोको के समान चल रही है, और आकर और मसीही बपतिस्मा लिया था, ३थिक यहाँ इस प्रात:, इसी तालाब में।

13 जब, मैं कुछ मिनटों का अध्ययन कर रहा था, थोड़े समय पहले और वहां मेरे कुछ मित्र थे, भाई हूवर, एक सेवक नीचे केन्टकी में एक यहां से निकलते हुए, मेरी पत्नी को एक बात कह गये, कि गत रात्रि सभा में से पंक्ति बुलाते हुए, एक महिला जिसके पास कोई प्रार्थना पत्र या कुछ नहीं था, केवल वहां बैठी प्रार्थना कर रही थी। और वहां पर एक महिला थी मुझे स्मरण नहीं, उसने कितने समय से खाना नहीं खाया था; उसके पेट में मांस बढ़ कर भर गया था। और प्रभु ने उसे पुकारा और उसे चंगा कर दिया। और आज प्रातः वह उठी और साधारण तरह से नाश्ता किया, और आज रात्रि यही कहीं है।

14 और दूसरा, बता रहा था, और ओह, समय अनुमति नहीं दे रहा है कि बताएं कि हमारे प्रभु ने क्या–क्या किया है। इसलिए, हमारे लिए, यह जानने के लिए साहस बढ़ता है कि यह पास ही है, कुछ महान घटित होने को है।

15 गत सांझ, सभा के पश्चात, संदेश के बाद, मैंने कभी भी ऐसा नहीं देखा कि पवित्र आत्मा ने कभी लोगों को इतनी महान तरीके से अभिषेक किया हो, जैसे पिछली रात्रि किया। हम अगली दूसरी रात्रि की राह देख रहे हैं। और अब मेरे लिए प्रार्थना करें।

16 और मैं परमेश्वर के आशीषित वचन पढ़ना चाहता हूं। और इससे पहले हम वचन पढ़े, हम एक क्षण के लिए, अपने झुके हुए सिरों के साथ हम उससे बातें करें।

17 प्रिय स्वर्गीय पिता, आज रात्रि हम तेरे पास आए हैं, हो सकता है हम अपने शरीर में थोड़ा सा थके हो, परंतु, ओह, हमारी आत्मा कितनी ताजगी में है! और जीवित परमेश्वर का चिन्ह कि वह हमारे साथ है, और आशीषित कर रहा है, और जो उसने प्रतिज्ञा की है, वह दे रहा है, खूब भरपूरी से हमारे सोचने या हमारे करने से अधिक। और यदि हमें तेरी दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त हो, तेरे पुत्र प्रभु यीशु पर विश्वास करने के द्वारा, तो हम तुझसे आज रात्रि मांगते हैं कि तू अपनी आत्मा के दुगने भाग द्वारा आज हम से फिर मिल। होने दे बड़ी सामर्थ और भाग के साथ यह प्रत्येक पर उंडेला जाए, कि सुसमाचार का विश्वास करें और अपने जीवन में पवित्र आत्मा की सामर्थ प्राप्त करें। प्रभु जो आज रात्रि बचने योग्य है, उन्हें बचाए और जो चंगा होने के लिए तैयार है उन्हें चंगा करें। प्रभु, इसे प्रदान करें।

18 और जैसा कि हम देखते हैं लोगों की भीड़ बढ़ रही है, दरवाजो पर खड़े हैं, और सैकड़ो छोटे आराधनालय से मुड़ कर चले गए, इससे हमें स्मरण आता है कि यीशु मसीह कल, आज, और युगानुयुग एक सा है। कि, उन दिनों में जब उसने हमसे शारीरिक रूप में होकर भेंट की, भीड़ इतनी अधिक थी, कि वे उसे उसके पास ना ला सके, और उसे भवन की छत में से होकर लाए। और परमेश्वर हम प्रार्थना करते हैं, कि प्रत्येक इसी प्रकार से यत्न करें और वैसे ही इनाम पाए जैसा उस व्यक्ति ने पाया था।

19 जब हम पढ़ते हैं तो अपने वचन को आशीषित करें। और होने दें कि यह हमारे मार्ग के लिए उजियाला हो। हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

20 [कोई भाई ब्रंहम से बात करता है—सम्पा।] नहीं। रोजेला ग्रीफिथ? ["जी हां।"]

21 मुझे अभी बताया गया, अभी–अभी कि वह लड़की जिसे मैंने आज प्रातः बुलाया था... एक नशा करने वाली जिसे शिकागो में आज प्रातः बुलाया गया था। वो वह थी जब वह बालकनी में बैठी हुई थी जब पवित्र आत्मा ने उससे बात की कहा कि वह एक नशा करने वाली है। और शिकागो के पांच बड़े–बड़े डॉक्टरो ने उसे छोड़ दिया था। नशे के पर्याय वाची ने उसे छोड़ दिया था। और उसे **यहोवा यों कहता है** ने पुकारा। वह चंगी हो गई। उस समय के बाद से उसने पीने की लालसा ही नहीं की।

22 और एक और छोटी महिला जो उसके ऊपर वाली बालकनी में बैठी थी, जो कि उसकी सहेली थी, वे केलमेट नगर में रहती थी। यदि कोई जानता है कि वह क्या है, यह रेखा पर है जो कि पैरिस, फ्रांस से, हर प्रकार की बुराई में जो हो रही है, उससे अधिक गिरा हुआ है। उसे बताया कि वह इधर उधर फिरने वाली, और वह फ्रेड ऐसटेर के साथ नृत्य करने वाली है। और उसके पिता ने इसका विरोध किया। परंतु वह खड़ी हुई और बोली कि, "पिता, वह व्यक्ति बिल्कुल ठीक है।" अब वह विवाहित है, वह छोटी लड़की, और अपने पति के साथ सुसमाचार फैलाने में, अपनी राह पर है।

23 रोजेला मिशन कार्यकर्ता है, प्रत्येक जेल में सेवा और सब बातें जो की वह कर सकती है, कि नशा करने वालों को बताएं, यदि कहीं कोई आशा है तो वह मसीह में है।

24 वह अपने पिता के लिए अधिक बोझ का अनुभव करती है। अभी परसों से अधिक नहीं कि दस मिनट के साक्षात्कार में, वह लड़की पिछले चार या पांच वर्षों से सभाओं में एक निश्चित सहायक रही है, उसने दस मिनट की सूचना वृतांत में बताया, बाहर ठेले के पास, साक्षात्कार में, उसने कहा, "भाई ब्रंहम, आप जो भी करते हैं, मैं अपने पिता के लिए बहुत ही बोझ अनुभव करती हूं। वह आपसे प्रेम आते हैं, परंतु वह मसीह के पास नहीं आते।"

25 मैंने कहा, "रोजेला, परमेश्वर जानता है कि इसे करेगा। वह जानता है कि उससे यह कैसे करवाएं।"

26 और अब समाचार मिला है कि वह चुने के ट्रक के नीचे दब गए। आईये हम उनके लिए प्रार्थना करें।

27 प्रभु, उस आज्ञाकारी लड़की के मुख पर, और वह जो वहां दब गया, वह उसके नीचे भर सकता था मर सकता था; परमेश्वर, प्रदान करें कि वह ना मरे, परंतु उसका प्राण ऊपर की ओर देखेगा और स्मरण करेगा कि आप परमेश्वर है जो कि चूने के पत्थर के ढेर के नीचे प्रार्थना का उत्तर दे सकता है, वैसे ही जैसे व्हेल के पेट में या आग की भट्टी में या सिंहो की मांद में। आप एक से रहते हैं। प्रभु उसे, एक घुले हुए, मसीही को सामने लाए। हम जानते हैं कि सारी बातें उनके लिए भलाई उत्पन्न करती है जो आपसे प्रेम करते हैं। और हम प्रार्थना करते हैं कि यह उनमें से एक बात हो, जैसा कि हम तुझे समर्पित करते हैं, यीशु के नाम में। आमीन।

28 आज रात्रि वचन के पढ़ने के लिए दूसरा राजा की पुस्तक में, मैं दूसरा अध्याय पढ़ना चाहता हूं, एक मूल पाठ के लिए कि एक प्रसंग मिले, प्रभु चाहेगा।

और ये पूरा हुआ जो *जब यहोवा एलिय्याह को बवंडर के द्वारा स्वर्ग में उठाये लेने को था, तब एलिय्याह और एलीशा दोनों संग–संग गिलगाल से चले।*

और एलिय्याह ने एलीशा से कहा, इसलिए तू यही ठहरा रह, मैं तुझसे विनंती करता हूं; यहोवा मुझे बेतेल तक भेजता है। और एलीशा *ने कहा, जैसे यहोवा और तेरा जीवन की शपथ, मैं तुझे नहीं छोड़ने का। इसलिए वे बेतेल को चले गए।*

और बेटे बेतेल वासी भविष्यवक्ताओ के... चेले एलीशा के पास आकर कहने लगे, क्या तुझे मालूम है कि आज यहोवा तेरे स्वामी को तेरे ऊपर से उठा लेने पर है? उसने कहा, हां, मुझे भी यह मालूम है;... तुम चुप रहो।

और एलिय्याह ने उससे कहा, हे एलीशा मैं तुझसे विनंती करता हूं, यहोवा मुझे यरीहो को भेजता है: इसलिए तू यही ठहरा रह। उसने कहा, यहोवा और तेरे जीवन की शपथ मैं तुझे नहीं छोड़ने का। सो वे यरीहो को आए।

और भविष्यवक्ता के बेटे... वहां यरीहो में थे एलीशा के पास आकर, और कहने लगे क्या तुझे मालूम है कि आज यहोवा तेरे स्वामी को तेरे ऊपर से उठा लेने पर है? उसने उत्तर दिया, हां, मुझे भी मालूम है... तुम चुप रहो।

फिर एलिय्याह ने उससे कहा, मैं तुझे विनंती करता हूं, यहोवा मुझे यर्दन तक भेजता है, सो तू यहीं ठहरा रह। उसने कहा, यहोवा के और तेरे जीवन की शपथ, मैं तुझे नहीं छोड़ने का; सो वे दोनों आगे चले।

29 प्रभु अपने वचन पर आशीष दे। आज रात्रि मेरा विषय *परमेश्वर द्वारा बुलाया हुआ मनुष्य* है। और मैं यत्न करूंगा कि जितना संक्षेप में कर सकूं करूंगा, क्योंकि हमारे पास एक बड़ी प्रार्थना की पंक्ति आ रही है, अभी कुछ क्षणों में, परंतु, केवल थोड़ा सा आपको यह दिखने के लिए, कि वे समय जिनमें हम रह रहे हैं।

30 हम रेडियो और विभिन्न स्थानों में से यह चिल्लाहट सुन रहे हैं, और निष्कपट ह्रदयो से आ रही है, "प्रभु, हमारे समय में बेदारी दें।" और समस्त संसार के मसीहो के पत्रों से हम यह चिल्लाहट सुनते है, और यह आपके ह्रदय पर कुछ करता है। यह प्रेरणा दे रहा है। यह उठा रहा है। यह प्राणों को जगा रहा है, कि लोग प्रभु की आवाज को सुने जो कि बेदारी के लिए हैं।

31 और परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है, "यदि वे लोग जो मेरे नाम के कहलाते हैं एक साथ इकट्ठे होंगे और प्रार्थना करेंगे, तो मैं स्वर्ग से सुनूंगा।"

32 और इसलिए हम आज रात्रि, इस पर विचार करते हैं। और स्मरण करते हैं, कि इन सब चिल्लाहटो के बीच, परमेश्वर तब तक बेदारी नहीं भेज सकता जब तक वह मनुष्यों को उस रूप में नहीं ले आता कि उसे ले। हमारे पास तब तक बेदारी नहीं हो सकती जब तक हम वे मनुष्य नहीं पाते परमेश्वर द्वारा बुलाए हुए मनुष्य, परमेश्वर द्वारा सिखाएं हुए मनुष्य, जो कि धार्मिक विद्यालय और ज्ञान द्वारा सिखाये हुए नहीं, परंतु विश्वास के दृढ़ जिन्हें कि परमेश्वर ने अपने कठिन प्रशिक्षण के विद्यालय में तैयार किया है। मनुष्य जो आग का सामना करने से नहीं डरते! मनुष्य जो परमेश्वर की उपस्थिति में आते हैं; और उसकी सामर्थ को जानते हैं, और उसके सर्वोच्च सामर्थ को जानते है, और उसकी चंगाई की शक्ति को जानते है!

कुछ व्यक्ति जो कि जीवित परमेश्वर को जानने के लिए शिक्षित किए गए है! वचन के द्वारा उन्हें प्रशिक्षण देना ठीक है, परंतु, "शब्द मारता है; आत्मा जीवन देता है।"

33 और इससे पहले हमें यह बेदारी मिल सके, परमेश्वर को प्रशिक्षित मनुष्य को बुलाना है, परमेश्वर द्वारा प्रशिक्षित लोग इस संदेश को लेकर चल सकते हैं। वे विरोध क्या है इसकी चिंता नहीं करते। वे हार में आग की भट्टी में जाने की इच्छा रखते हैं, या सिंहो की मांद में, या वह जो भी हो। वे जाने के लिए तैयार है, क्योंकि वे परमेश्वर की उपस्थिति में है, और जानते हैं कि वह है। चाहे यह जीत या हार है, वे अब भी वैसे ही स्थिर है। परमेश्वर मनुष्य को इस प्रकार का प्रशिक्षण देता है। और यह सोचना अजीब है कि परमेश्वर यह करेगा कि परमेश्वर अपने लोगों को प्रशिक्षित करेगा, इस प्रकार से, परंतु वह करता है। आप जानते हैं, हमारा एक पुराना गीत है जो हम गाते हैं:

> कुछ पानीयो में से होते हुए, कुछ बाढो में से होते हुए,
> कुछ कठिन परिक्षाओ में से, परंतु सब लहू में से होते
> हुए।

34 परमेश्वर अपने लोगों की अगुवाई बड़ी परीक्षाओं में से होकर करता है कि वे शुद्ध हो। और कभी–कभी इसमें वर्षा लग जाते है। आज रात्रि मेरे अपने लिए, मैं विश्वास करता हूं, कि अब भी परमेश्वर ऐसे मनुष्य को प्रशिक्षित कर रहा है कि आगे की पंक्ति में आए, वे मनुष्य जो इसमें से निकलते हैं, और, उनके कदमों से समय हिल गया। कभी ऐसा लगता है कि सब कुछ गिर रहा है, परंतु फिर भी, इस सबके बीच में वे जानते हैं कि जीवित परमेश्वर और अपने मुख सामने रखते हुए, आगे बढ़ते जाते हैं।

35 और बहुत सारे लोग बेदारी के लिए प्रार्थना कर रहे है, मुझे आश्चर्य है यदि वे कभी, यदि वे जो प्रार्थना कर रहे हैं, यदि उनकी अपनी प्रार्थनाये आशीषो के सोतो को ना रोक दें। जबकि वे डरपोक और परमेश्वर पर विश्वास करने में डरते हो, और उसे उसके वचन के आधार पर लेने से डरते हो, यह विश्वास करने में डरते हो कि वह आज भी जीवित है, जबकि उसकी बाईबल स्पष्ट रुप से कह रही है कि, "वह आज, कल, और सर्वदा एक सा है।"

36 परमेश्वर अति मान्य, तेज, शिक्षित और बुद्धिमान को नहीं बुलाता। वे अपना कार्य करते हैं, और वे महान मनुष्य है। परंतु जब परमेश्वर कोई कार्य कराना चाहता है, तो वह ऐसे को लेता है जो क ख ग भी मुश्किल से जानता हो। वचन में ढूंढे। इतिहास में देखें। मनुष्य जो परमेश्वर के साथ कुछ रखते थे वे पढ़े लिखे मनुष्य नहीं थे जिनके पास बहुत शिक्षा हो, परंतु वे लोग जिन के पास शिक्षा नही थी, केवल उनके ह्रदय में परमेश्वर की सेवा करने की इच्छा थी। उसने हल जोतने वाले, गडरिये, मछली पकड़ने वाले, शिकारी, जो प्रकृति में रहते थे, उन्हें लिया। प्रकृति की उस शांति और निश्चलता में वह परमेश्वर उन से बात कर सकता था। और उसने उन्हें बुलाया।

37 और यदि वे यह पाते हैं, कि उसने महान बुद्धिमान को बुलाया तो अंत में, वह व्यक्ति उसी बुद्धि की धारणाओं में वापस चला गया। और उसके पश्चात, जब विशेष कार्य का समय आता तो, वह संसार के लोगों के साथ मिल गया कि उसे स्वीकार कर ले। इसलिए परिणाम में नामधारी में बदल गया, और हट गया और सेवक बनाएं। और यह ठीक है, और जो ऐसा करेगा मैं उसके विरोध में कुछ नहीं कहता।

38 परंतु जब परमेश्वर कुछ करने के लिए तैयार होता है उस अलौकिक क्षेत्र में, तो वह ऐसा व्यक्ति लेता है जिस पर वह विश्वास कर सके और उसे अभिषेक करके भेजता है और वह कार्य में निर्भय होता है। और आज हमें इसी प्रकार के मनुष्य की आवश्यकता है; दिखावटी विद्वान की नहीं, परंतु वह मनुष्य जो परमेश्वर को उसकी पुनरुत्थान की सामर्थ में जानता हो।

39 उदाहरण के लिए बाईबल में एक मनुष्य था, मूसा नाम का, जिसने सब प्रकार के प्रशिक्षण लिए थे। वह सारी धार्मिक विद्या जानता था। जो जानना चाहिए वह सब जानता था। वो... यहां तक कि यदि उसे किसी शिक्षा आवश्यकता थी तो वह इस्राएल और मिस्र में किसी गुरु को पढ़ा सकता था। उसे कोई आवश्यकता नहीं थी। और बाईबल हमें बताती है उसके पास मिस्त्रियों की सारी विद्या थी। क्यों नहीं, वह उनके विद्वानों को पढ़ा सकता था। वह उनके वैज्ञानिक को पढ़ा सकता था। जब बुद्धिमानी की बात आती थी, तो वह हर उसका उत्तर था। परंतु, तौभी, परमेश्वर को उसकी सारी शिक्षा को बाहर निकालने में चालीस वर्ष लगे, बाहर रेगिस्तान में। और जब

परमेश्वर के प्रति हर बुद्धिमानी की धारणा उसमें से बाहर निकल गई उस रेगिस्तान में, तब धातु ढलने के लिए तैयार थी।

40 इस प्रकार से परमेश्वर अपने व्यक्तियों को लेता है और उनके समस्त भय और उनके सारे ज्ञान को बाहर निकाल देता है, और तब महान स्वामी कुम्हार उन्हें चाक पर रखकर उन्हें फिर से ढालने लगता है। योग्य, कार्यकर्ता! यह परमेश्वर का मनुष्य है। स्वयं परमेश्वर से उन्हें और अधिक कौन प्रशिक्षित कर सकता है? जिस प्रकार से वह उन्हें प्रशिक्षित करता है देखिए।

41 हम फिर से और दूसरे के विषय में सोचेंगे दाऊद नाम के द्वारा होकर। परमेश्वर दाऊद को प्रशिक्षित कर रहा था जब वह छोटा लड़का ही था। शेमूएल भविष्यवक्ता ने आकर उसके सिर पर तेल उंडेला, और उसका अभिषेक किया, क्योंकि परमेश्वर दाऊद को प्रशिक्षित करने जा रहा था कि एक महान योद्धा हो। और जो प्रशिक्षण उसने दिया उसे देखिए।

42 मैं ग्रीन मिल पर कुछ समय पहले कुछ पढ़ रहा था, जहां अक्सर मैं प्रार्थना करने जाता हूं, जहां परमेश्वर ने दाऊद से कहा, "मैंने तुझे भेड़ बकरियों की चरवाही से बुलाया, तेरे पिता की भेड़ों के पीछे से, और मैंने तुझे पृथ्वी के लोगों के समान महान नाम दिया।"

43 और मैं दाऊद के कठिन प्रशिक्षण के विषय में सोचता हूं। उसने उसे कभी भी किसी विद्यालय में नहीं भेजा, परंतु उसने उसे अपने ही विद्यालय में शिक्षित किया। दाऊद शिकारी और चरवाहा था। और भजनों में उसने हरी–हरी चराईयों और सोतों के विषय में लिखा है, क्योंकि वहां वह अकेला होता था। वह संसार की वस्तुओं से दूषित नहीं हुआ था।

44 परमेश्वर व्यक्ति को संसार की चीजों से अलग करता है, ताकि वह उसे शांत कर सके, ताकि वह परमेश्वर को सुन सके वह अब भी धीमा, छोटा शब्द होता है। तब एक बार परमेश्वर के संपर्क में, वह भय युक्त हो जाता है। तब वह चिंता नहीं करता कौन क्या कहता है; वह परमेश्वर कि उपस्थिति में था। वह परमेश्वर को उसकी पुनरुत्थान की सामर्थ में जानता है।

45 और तब दाऊद हम उसे देखते हैं। एक दिन, परमेश्वर ने एक भालू को अंदर आकर उसकी भेड़ को ले जाने दिया। दाऊद ने उस भालू को जा लिया। कोई संदेह नहीं परंतु जो उसने प्रार्थना की, क्योंकि थोड़े समय

पश्चात उसने इसको स्वीकार किया। और उसने प्रार्थना करके परमेश्वर से कहा। वह भेड़ो का रखवाला था। वह उस भेड़ को छोड़ ना सका। और उसे हर कीमत पर, उस भेड़ को बचाना था। और उसने अपनी छोटी गोफन ली, और जाकर भालू को ले लिया और उसे मार डाला। उसे उस भेड़ को बचाना था। आपने देखा परमेश्वर उसे किसलिए प्रशिक्षित कर रहा था?

46 परमेश्वर अपने चरवाहे से चाहता है कि वह भेड़ को बचाए चाहे उसे जो भी पुकारा जाए और किसी स्थिति में से निकलना पड़े। उन भेड़ों को बचाये!

47 तब उसने देखा कि दाऊद ने इस भालू के ऊपर बहादुरी से कब्जा कर लिया, तो उसने पशु की सामर्थ को थोड़ा सा और बढ़ाया, और उसने एक सिंह भेजा... और उसका एक मेमना ले गया।

48 और सिंह भयंकर पशु है। ओह अफ्रिका में जब मैं उनका शिकार खेल रहा था... एक सिंह इससे पहले आप कहे दस व्यक्तियों को मार सकता है, "जैक रोबिन्सन।" ओह, सामर्थी, बड़ा पशु! केवल एक बड़ी दहाड़ से मनुष्य नष्ट हो जाते है। और वह जिसे सिंह मारता है कभी भी कष्ट का अनुभव करता है। उसका दहाड़ना, जब वह दहाड़ता है, डरावना होता है। वे विशालकाय पंजे एक सेकंड में दर्जन भर मनुष्यो को फाड़ देते हैं।

49 और एक छोटी लड़के के विषय में सोच कर! कि बाईबल बताती है वह "छोटा" ही था। इसका अर्थ हुआ वो... छोटा लड़का ही था एक छोटी सी गोफन के साथ। आप जानते हैं वह क्या है, एक छोटा सा चमड़े का टुकड़ा जिसके दोनों ओर रस्सियां होती है। और भूखा सिंह जो पहले ही लहू का स्वाद ले चुका है, अंदर आकर उसकी भेड़ पकड़ लेता है। दाऊद ने परमेश्वर की ओर देखा, और कहा, "मैं इसे नहीं छोड़ सकता। प्रभु, आप मेरी सहायता करें।" और उसने गोफन से सिंह को नीचे गिरा दिया। और जब सिंह उसके विरुद्ध फिर से उठा वह छोटा लड़का, और सिंह जो कि लगभग पांच सौ पौड या अधिक, वह छोटा लड़का सम्भवत: सत्तर या अस्सी पौड का। उसने अपने छोटे बेल्ट में से चाकू निकाला। और जब सिंह उठा जो कि एक थप्पड़ में दस व्यक्तियों को मार सकता था, उसने सिंह को दाढ़ी से पकड़ा और उसे मार डाला।

50 साहस! परमेश्वर डरपोको को पसंद नहीं करता। वह आपका प्रयोग नहीं कर सकता यदि आप उसके वचन पर विश्वास करके उसे लेने में डरते हैं। वह बहादुर मनुष्यों को चाहता है, जो किसी भी चीज पर ध्यान नहीं देगा, परंतु वह जो प्रभु कहता है। इस प्रकार के व्यक्ति के साथ वह चलता है। चिंता नहीं कलीसिया क्या कहती है, पास्टर क्या कहता है, कलीसिया किसका पक्ष लेती है; वह परमेश्वर का पक्ष लेता है, धार्मिकता और उसका वचन। यही मनुष्य हम... परमेश्वर इन दिनों में अपनी बेदारी के लिए भेजेगा जिसके लिए उसके लोग प्रार्थना कर रहे हैं।

51 बाद के वर्षों में, जब वह अपने भाइयों से युद्ध में मिलने गया, वहां एक बड़ा भयानक चौदह इंच की उंगलियों वाला था। वह शेखी मारता, और कहता, "अब कोई आकर मुझसे लड़े। यदि तुम मुझे कोड़ा मार लो, मैं समर्पण कर दूंगा, और इसका उल्टा और हम तुम्हारी सेवा करेंगे।" या जो भी समर्थन करेगा, यह सही है जो भी हारेगा।

52 इसी प्रकार से शैतान करना चाहता है। जब वह सोचता है कि आपके ऊपर धार रखी है, वह आपसे कहेगा, "तुम इससे बच नहीं सकते। तुम मैथोडिस्ट कलीसिया में बैपटिस्ट कलीसिया में दिव्य चंगाई प्रचार नहीं कर सकते।" एक समय मैथोडिस्ट प्रचारकों ने परमेश्वर को पकड़ रखा था, और देखिए कि यदि आप कर सकते हैं या नहीं। ओह। आप अपने धार्मिक ज्ञान से जो वे सिखाते हैं यह कभी नहीं कर सकते। आपको परमेश्वर को पकड़ना पड़ेगा और जाने की वह है।

53 वह कहते है, "पेन्टीकोस्टल लोग।" कुछ वर्षों पहले, लोगों का एक झुंड कोने पर खड़ा हुआ था वे किसी एक—एक भवन में भी नहीं जा सकते थे। परंतु क्या आपने *लाईफ* पत्रिका पढ़ी, उस दिन, उन्होंने उनके विषय में क्या कहा? इस युग की यह सबसे बड़ी घटना है जो की जानी गई, वह पेन्टीकोस्टल कलीसिया का उठना है। निश्चय ही। "और इन्होंने और बाकी की कलिसियाओ की अपेक्षा सबसे अधिक मतपरिवर्तन किया।" यही *लाईक* पत्रिका ने कहा। क्यों? हो सकता है वे किसी और चीज में घुल मिल गए, परंतु भाई वे बहादुर है; आप आमने–सामने खड़े होकर काले को "काला" और सफेद को "सफेद" कहते हैं। अंत में जब बेदारी आई, वह उनके बीच में आई। आप देखिए आई की नहीं। वे इन्हीं किन्ही दिनों में सीधे होने वाले हैं।

54 और, दाऊद, जब शाऊल ने अपने शस्त्र उस पर चढ़ाये और कहा, "दाऊद, यदि तू इस दानव से लड़ने जा रहा है," कहा, "क्यों, तू कुछ नहीं केवल एक लड़का है, बस एक लड़का, और वह बालकपन से ही योद्धा है, तू कैसे उस से लड़ सकता है? "

55 इस छोटी दाऊद कि सुनिए। आपने देखा उसने इस प्रकार नहीं कहा, "शाऊल, महाराजाधिराज। मेरे पिता ने मुझे व्याकरण विद्यालय, कॉलेज, हाई स्कूल भेजा। मेरे पास पीएच.डी है। मैं—मैं—मैं इसे करने हेतु सुसज्जित हूं। मैं तेज हूं।" उसने ऐसा कभी नहीं कहा।

56 उसने कहा, "मेरे प्रभु," उसने कहा, "जब मैं अपने पिता कि भेड़े चराया करता था, एक भालू आ गया, और एक को पकड़ लिया। और मैंने उसे मार डाला सिंह अंदर आया एक को पकड़ लिया। और मैंने उसे गिराया और जब वह उठा, मैंने उसे घात कर दिया।" और उसने कहा, "वह परमेश्वर जिसने मुझे भालू और सिंह के पंजे से बचाया, वही मुझे खतना रहित फिलिस्तीन से बचाएगा।" परमेश्वर द्वारा एक प्रशिक्षित मनुष्य!

57 वहां शाऊल उन प्रशिक्षण के साथ जो कोई मनुष्य पा सकता है कि कैसे लड़े, वहां खड़ा हुआ था। दाऊद को तलवार के विषय में कुछ नहीं मालूम था। उसे ढाल के विषय में कुछ नहीं मालूम था। ठीक है, शाऊल गया और अपने सारे बड़े–बड़े शास्त्र उस पर लगा दिए, और छोटा दाऊद भारी पैरों के साथ वहां खड़ा था। उन्होंने देखा कि उसकी पुरोहित संबंधित कमर इस परमेश्वर के जन पर; ठीक नहीं बैठती, उसे नीचे की ओर झुका दिया। और हमारे सारे मत और चीजें कभी भी परमेश्वर के सुसज्जित से मेल नहीं खाएंगे।

58 ओह, कैसे और आगे–आगे बढ़ते हुए और बहुत से विभिन्न लोगों के विषय में व्याख्यान करेंगे। परंतु, सीधे अपने प्रसंग पर आएंगे जल्दी करेंगे।

59 एलिय्याह बूढ़ा हो रहा था, कि वो अब अधिक समय तक वह नहीं रहेगा उसे संसार छोड़ना है। और परमेश्वर ने एक व्यक्ति ढूंढ लिया है जो कि ईमानदार है, वह अच्छा व्यक्ति था। उसका नाम एलिशा था। अब, यदि आप ध्यान दें, उनमें से एक का नाम एलिय्याह और दूसरे का नाम एलिशा था।

60 वह कभी भी खेतों में नहीं गया था, और आदि–आदि, और जाकर धार्मिक विद्यालयों में पाया, और उन दिनों के महान विद्यालय में। उसने

क्या किया? वह वहां खेतों में गया और एक व्यक्ति को पाया वह बारवीं बैलों की जोड़ी के साथ जुताई कर रहा था। क्या? एलिशा जो हल चला रहा था, जानता था कि कैसे सीधी रेखा की सराहना की जाए। और वह जान जाता यदि वह मुड़ कर पीछे देखता, कि वह मार्ग पर टेड़ा मेडा है। और परमेश्वर जान गया कि व्यक्ति जो जानता है कि कैसे सीधे–सीधे जुताई करें, यह नहीं जानता कि हल पर हाथ रख कर पीछे मुड़ कर भी देखना है। जब तक उसने अपनी शिक्षा ना पा ली, उसने प्रतिक्षा नहीं की मार्ग पर, इधर–उधर चलता रहा। उसने बस बैलों को मारकर और बलिदान कर दिया, और छोड़कर एलिय्याह के पीछे हो लिया, जब तक वह कपड़ा उनके ऊपर था। वह तैयार, इच्छा रखने वाला था। परमेश्वर जानता था कि वह उसे योग्य बना सकता है।

61 अब, परमेश्वर ने उसे प्रशिक्षण देना था। उसने उसे प्रशिक्षित किया था कि कैसे जूती हुई नाली पर अपनी दृष्टि रखनी है, बैलों की बारह जोड़ी और एक व्यक्ति उन्हें जोत रहा है। उसने उसे धीरज धरना सिखाया, और कैसे धीरजवन्त हो, और उन बैलो को सीधी लाईन में चलने के लिए प्रशिक्षित करना था।

62 उसके पश्चात उसे कुछ लोगों को प्रशिक्षित करना है; उन्हें बाईबल पर ही रखना है, वचन पर, परमेश्वर की रेखा पर, रेखा पर स्थिर रहना।

63 और तब परमेश्वर को भी उसे थोड़ा शिक्षित करना है। उसने कहा, "अब तुम यहां रुको, क्योंकि मैं गिलगाल तक—तक जाता हूं। परमेश्वर ने मुझे बुलाया है।"

64 और भविष्यवक्ता उसके बाद जब उसने अनुभव किया, कि सामर्थ उस पर है, वह एलिय्याह की चादर, उसने कहा, "यहोवा और तेरे जीवन की शपथ, मैं तुझे नहीं छोड़ने का।"

65 गिलगाल को गया, जो कि मसीही को स्वीकारने और बपतिस्में का—का स्थान है। और तब उसने कहा, "अब थोड़ा यहां रुक यह पर्याप्त है। तू ने स्वीकार लिया है और बपतिस्मा ले लिया है। यह पर्याप्त है। मैं *बेतल* को जा रहा हूं," जिसका अर्थ है, "परमेश्वर का घर।"

66 अब, यह बहुत से ज्ञानियों के लिए ठीक होगा। "ओह, मैं अभी–अभी कलीसिया में आया हूं और संगति मिली है। क्यों ना यहां रुक जाऊ? "

67 परंतु, सुनिए, एलीशा इस प्रकार नहीं सोचता। उसने पहले ही परमेश्वर की सामर्थ को अनुभव कर लिया है। वह जानता है मेरे लिए और भी है। इसलिए उसने कहा, "जब तक प्रभु और मेरे प्राण जीवित है, मैं तुझे नहीं छोडूंगा।" ओह, मुझे यह कितना अच्छा लगता है!

68 और वह बेतल को गया, परमेश्वर का घर, और वहां उसे ज्ञानी लोग मिले। वे सब प्रशिक्षित अच्छे प्रचारक थे, और वे आए और उसे बताया कहा, "श्रीमान, तुझे मालूम है कि? कि तू छड़ी के छोर पर है। क्या तुझे मालूम है एलिय्याह तेरे से अलग किया जाने वाला है? वह बहुत बूढ़ा है, वह अधिक दिन तक जीवित नहीं रह सकता। एलिय्याह ले लिया जाने वाला है, और तू वहां पागलों के समान खड़ा होगा।"

69 अब मैं आपको कुछ बता दूं। एक मनुष्य जिसने परमेश्वर का स्वाद चख लिया है, नहीं चाहेगा, अपनी प्यास को मनुष्य के बने हौद से नहीं मिटा सकता। वह यह नहीं कर सकता। उनकी सारी धार्मिक विद्या जो उन्होंने भविष्यवक्ताओं के विद्यालय में पाई है, वह परमेश्वर के जन की प्यास को नहीं बुझा सकती, जिसने परमेश्वर का स्वाद चख लिया है।

70 और वे उसे राजी करते रहे, "ओह, तुम्हें यहां रह जाना चाहिए। और क्यों हम तुम्हें छ: सप्ताह में तुम्हारी पीएच.डी. दे देंगे। और तुम देखे, यह बहुत लंबा ना होगा कि तुम अपने चार वर्षों का प्रशिक्षण प्राप्त कर लोगे, और हम तुम्हें प्रचार करने का अधिकार देंगे। देखो यदि तुम सही सिद्ध हमें तो हम तुम्हें अपनी नामधारी में भेज देंगे।" परमेश्वर के जन को यह संतुष्ट नहीं कर सकेगा। "हम तुम्हें सेवकाई के लिए प्रशिक्षित करेंगे, यदि तुम हमारे साथ यहां चार या पांच वर्ष रुको।"

71 उसके पास ऐसी चीजों के लिए समय नही था। वह तो मार्ग पर उस सोते के लिए बढ़ा जा रहा था। वह इस सब को छोड़कर ऊपर आ चुका था। वह पर चुका था उसके प्राण में स्वर्ग का स्वाद था।

72 और उसने कहा, "क्या तुम जानते हो कि तुम्हारा नेतृत्व उठा लिया जाने वाला है? "

73 और सुनिए कि उसने क्या कहा। "जी हां, मैं यह जानता हूं। परंतु आप शांत रहे।" दूसरे शब्दों में, "तुम अपना ध्यान करो। मुझे इस विषय में बताने का यत्न ना करो। मुझे बताने का यत्न ना करो कि मैं क्या कर रहा हूं। मैं जानता हूं मैं कहां जा रहा हूं और मैं किसके पीछे हूं।"

74 परमेश्वर हमें ऐसे व्यक्ति दे, परमेश्वर के प्रशिक्षित मनुष्य जो कभी *इधर* कभी *उधर* ना होना जानता हो।

75 "मैं जानता हूं कि मैं कहां जा रहा हूं।और मुझसे इस विषय में बात ना कीजिए। आप थोड़ा धैर्य रखें। मुझे निराश ना करें, क्योंकि इससे कुछ होने वाला नहीं।"

76 ओह, यदि वे लोग जिनके लिए प्रार्थना की गई है उनके पास भी इतनी हिम्मत होती!

77 "ओह, आश्चर्य कर्म के दिन बीत गए। यह वास्तविक नही था। देखिए आप फिर बीमार हो जायेगे।"

78 "केवल धैर्य रखें। मुझे इस विषय में कुछ नहीं बताएं। मैं आगे बढ़ रहा हूं। बेदारी आ रही है, परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा कर दी है।" ओह, तुम परमेश्वर के पुत्रो, उस क्षेत्र में बाहर निर्भय होकर निकल चलो। निर्भय! परमेश्वर को उसके वचन के आधार पर लीजिए।

79 "मैं जानता हूं कि वह—वह उठा लिया जाने वाला है। परंतु यह वह नहीं है जिसके लिए मैं... तुम्हारे पास ऐसा कुछ नहीं है जिसमें मेरी रूची हो। तुम्हारी सारी डिग्रियां पीएच.डी, और कला स्नातक, और यह सारी चीजें मुझे संतुष्ट नहीं करती है। केवल आप थोड़ा धैर्य रखें।"

"अच्छा, अब तो तुम वहां टूटकर छिन्न–भिन्न होने जा रहे हो।"

80 "ठीक है, यदि मैं टूट कर बिखर जाता हूं, तो मुझे टूटने दे। मैं अपने निशाने पर हूं।" जिस पर की वह जा रहा था।

"आप इस पर काबू नहीं पा सकते।"

81 "मैं जानता हूं मैं इस पर काबू नहीं पा सकता, परंतु परमेश्वर मुझे इससे पार कराएगा," उसने कहा।

"ठीक है, एलीशा यर्दन को जो जा रहा है।"

"मैं उसके साथ जा रहा हूं।"

परमेश्वर हर एक के जीवन में यर्दन चाहता है।

82 इसलिए, एलीशा आता है। कहा, "अब एलीशा..." एलिय्याह ने एलीशा से कहा, "तुम अभी नवयुवक हो," सम्भवत इस प्रकार से, "और वास्तव में तुमने कभी शिक्षा नहीं पाई।" बूढ़ा भविष्यवक्ता उसकी परीक्षा लेने का यत्न कर रहा था। उसने कहा, "तुम अभी एक नवयुवक हो।

तुमने अधिक शिक्षा नहीं पाई है। क्यों नहीं तुम... यह वास्तव में, तुम्हारे पास व्याकरण विद्यालय कि शिक्षा नहीं है। केवल तुम इतना जानते हो कि जुताई कैसे की जाए। इसलिए अच्छा है कि तुम यही ठहरो, और तुम्हें कला स्नातक की डिग्री मिल जाए। देखा? अच्छा है कि तुम यहां रुको और अपनी डिग्री ले लो।"

83 परंतु एलीशा वह व्यक्ति नहीं था, जिसने एक बार परमेश्वर को छुआ हो, और अपने ऊपर अभिषेक की सामर्थ को अनुभव किया हो। उसने कहा, "यहोवा और तेरे जीवन की शपथ मैं तुझे नहीं छोडुगा।" उसका एक उद्देश्य था। उसने दर्शन देखा। वह जानता है कि क्या घटित होने वाला है।

84 और वे दोनों यर्दन पर चले गए। *यर्दन* का अर्थ "मृत्यु" है। वहां वे खड़े होते हैं, एक बूढ़ा और एक युवक। यह वास्तव में मसीह और उसकी कलीसिया को दर्शाता है। और वहां वे यर्दन नदी के किनारे खड़े हैं। वहां वह यहूदा की पहाड़ियों पर से आती है चीरती हुई, बड़ा कोलाहल करती हुई इस प्रकार से। और एलीशा, आपने पीछे सफेद लटकते बालों के साथ, और उसकी धुंधली आंखें यर्दन के पार देख रही है... और यह नवयुवक उसके हर कार्य को ध्यानपूर्वक देख रहा है। जो वह कर रहा है, एक, नवयुवक दर्शन की प्रतीक्षा कर रहा है कि परमेश्वर की इच्छा को पूरा करें। दूसरा घर जाने को था। वे दोनों यर्दन पर थे। एलीशा, उसके लिए... वह घर जा रहा है।

85 एलीशा का जीवन कड़वाहट से भरा था। वहां उस प्रचारक महिला ने जीवन में उसे तंग किया था, ईजाबेल और आहाब। और वे पत्थर और वह सब जिसमें से होकर वह निकला था! एलिय्याह थक गया था। और वह जानता था कि उसने एक अच्छी लड़ाई लड़ी, और अपनी दौड़ को पूरा किया। यर्दन के पार उसका अवकाश ग्रहण करना था।

परंतु एलीशा उस आत्मा को देख रहा था जो उस पर थी।

86 इसलिए, यदि आप ध्यान दें, कि प्रत्येक विश्वासी, जब आप ऐसे स्थान पर आते है, जहां आपको अनुकरण करना है, तब आप यर्दन की ठंडी लहरों को अपने पैरों पर चढ़ते हुए अनुभव करेंगे। क्या आप पार जा रहे हैं या आप नहीं जा रहे हैं? *यर्दन* एक "अलगाव," अलग करती है।

87 और वहां पीछे पहाड़ियों पर वे प्रचारक थे, अभी भी, एलीशा को पुकार रहे थे, "अच्छा है कि तुम पार ना जाओ। तुम अधिक दूर निकल जाओगे।" वे आज भी यही टिप्पणी करते है।

88 परंतु एलीशा ने कहा, "यदि परमेश्वर, परमेश्वर है, और यह उसका भविष्यवक्ता है, और मुझे उसका स्थान लेना है, और कार्य करने के लिए मुझे उसकी आत्मा की आवश्यकता है मुझे उनके विद्यालय नहीं चाहिए। यदि उनके विद्यालयों ने यह किया होता तो उन्होंने उनका स्थान ले लिया होता। परन्तु परमेश्वर ने यह करने के लिए मुझे बुलाया है, और मुझे उसके आत्मा की आवश्यकता है।"

89 यदि कलिसियाओं के विद्यालय ने स्थान ले लिया होता, और वह सामर्थ जो यीशु ने प्रदान की थी, तो वे इसे वर्षों पहले ले चुके होते; मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, कैथोलिक, प्रेसबीटेरियन। परंतु यह कभी नहीं करेगा।

90 यीशु मसीह का आत्मा लो! और आप इसके पीछे सारे नामधारियों की यर्दन को पार कर जाएंगे, हर चीज और परमेश्वर के संग अकेले खड़े होते हैं।

91 इसलिए वह उसके साथ यर्दन पर खड़ा हुआ। एलीशा उधर देख रहा था, वहां कहीं उस पार परमेश्वर उससे भेट करेगा। और उसने अपना वस्त्र उतारा, और उसने नवयुवक को देखा। और उसने यर्दन को मारा। और जब उसने यह किया, यर्दन खुल गई। और वे सूखी भूमि पर से होकर पास चले गए।

92 देखिए, जो भी है यर्दन इतनी बुरी नहीं थी, यदि आपके पास कुछ है कि मार्ग बना दे।

93 ओह, जब वे उस पार पहुंचे! हर झाड़ी जिसमें उलझते थे घोड़ा और एक रथ था। राजाओं के राजा ने एलिय्याह को घर वापस लाने के लिए रक्षक भेजा था। यह केवल एलिय्याह के लिए था। उसके जीवन में बहुत हो चुका था, लगभग अस्सी कुछ वर्षों के आसपास उन लोगों में था, और भूख में... झगड़ों में और सब में से निकला था। वह घर जाने के लिए तैयार था। और उसने एलीशा को देखा।

94 और एलीशा एक दर्शन देखना चाहता था। ओह, उसके पीछे वहां जितनी शिक्षाएं चल रही थी, वह उन्हें रोक सकता था। वे कहीं भी नहीं पहुंच पा रहे थे। परमेश्वर उसे अपनी विधी से प्रशिक्षित करने जा रहा था।

इसलिए जब उसने वहां देखा, देखा कि सारी—सारी झाड़ियां जो वहां पर थी, वे आग के रथ और और आग के घोड़े, इसने एलीशा के साथ कुछ किया। उसने एक दर्शन देखा। हां, भाई!

95 और जब परमेश्वर ने एलिय्याह को ऊपर उठा लिया, तो वह अपने आत्मा के दूने भाग के साथ वापस आया। तब वह बेदारी के लिए तैयार था।

96 अब उस व्यक्ति को देखिए, जो थोड़ा पहले हल जोतने वाला लड़का था। परमेश्वर ने उसका नाम अमरण हार बना दिया। सारे भविष्यवक्ता जो चारो ओर खड़े उसे देख रहे थे, उन्हें उसके कदमों पर झुकना पड़ा क्योंकि परमेश्वर की सामर्थ उस पर थी।

97 अब वह घड़ी आ रही है जब परमेश्वर संसार को उन पुरुषों और महिलाओं के कदमों में झुका देगा जिन्होंने गोता मारके और यर्दन को पार किया... और अपने आपको संसार की वस्तुओं से अलग कर लिया। भाई और बहन आज रात्रि आप जो भी करते हैं जो भी आप सोचते हैं आप परमेश्वर के संग यर्दन को पार करें। आगे बढिये और अलग हो जाए, संसार को पीछे छोड़ दें। परमेश्वर आपको अपनी सेवा के लिए प्रशिक्षित करें। इस बेदारी से पहले के दिनों में हम रह रहे है, परंतु हमें परमेश्वर ढूंढ रहा है, ह्रदयो को खोजने का यत्न कर रहा है।

98 देखिए। उसे पौलुस नामक एक व्यक्ति मिला, ओह, अपने ही तरीके का फरीसी। परंतु उसे उसको तैयार करना था, इससे पहले कि वह प्रेरित हो जाए। देखिए उसने सारे मानव युग में क्या किया। उसने उन्हें लेकर उनका सारा धार्मिक ज्ञान उनमें से बाहर निकाल दिया। और पौलुस जैसे ही उसने दर्शन देखा वह येरूशलेम में, महान शिक्षक गमलियेल के पास नहीं गया, इस्राएल में महानतम था, जिसके कि द्वारा वह पढ़ाया गया था। वह उस से परामर्श लेने कभी वह वापस नहीं गया। क्यों यहां तक की यरूशलेम भी चौदह वर्षो तक नही गया। परंतु मिस्र को प्रार्थना सभा में चला गया।और जहां परमेश्वर ने उससे बहुत सी नए नियम की पुस्तकें लिखवाई। देखा? परमेश्वर लोगों को ढूंढ रहा है। उसके पास कोई था जिससे वह वह वाचा लिखवाना चाहता था, इसलिए उसने पौलूस को चुना। और उसने उसमें से उसकी सारी धार्मिक विद्या बाहर निकाल दी। और पौलूस ने कहा मसीह को जानने के लिए, उसे वह सब भुला देना पड़ा, जो वह जानता था।

99 आज परमेश्वर हम में से संसार को खाली करने का यत्न कर रहा है, और हमसे हम ही को भी खाली करवा रहा है, और भय रहित पुरुष और महिला बना रहा है, जो परमेश्वर से प्रेम करते हैं, और परमेश्वर के साथ स्थिर रहेंगे, और अलग करने वाली रेखा यर्दन को पार करेंगे, ताकि वह हमें अपनी महिमा के लिए प्रयोग कर सकें।

100 यह वही घड़ी है कि मैं चाहता हूं कि आप ध्यान पूर्वक सोचे। और यदि आपने यह स्थान कभी पार नहीं किया है, यदि आप इस रेखा के पार कभी नहीं आए है, जहां आप अब भी कहते हैं, "देखिए, मेरी मां एक अमूक कलीसिया से संबंधित है।" यह ठीक है। वह आपका स्थान नहीं लेगी। समझे?

101 परमेश्वर आज पुरुष और महिलाओं को, अगली युद्ध की पंक्ति में बुला रहा है। वह उन्हें गिलगाल नहीं बुला रहा है, ना ही यरीहो या बेतल बुला रहा है। वो... या वे नष्ट हो जायेंगे। परंतु वो उनको यर्दन के पार बुला रहा है, और वह अपनी ही सामर्थ से आपको विद्यालय से निकाल रहा है, और आपको बना और ढाल रहा है।

102 देखिए वह यहां अब क्या कर रहा है, अपने पुत्र के आत्मा को नीचे भेज रहा है। वह चिन्ह और चमत्कार और आश्चर्य कर्म कर रहा है जो कि संसार में पिछले दो हज़ार वर्षों से नहीं देखे। वैज्ञानिक संसार ने उसका चित्र खींचा है आज रात्रि आग का खम्बा, प्रभु का दूत। वाशिंगटन, डीसी में, धार्मिक तलाक कला के संग्राहलय में लटका है, केवल एक ही अलौकिक, विज्ञान से प्रमाणित चित्र। वह अपने वही चिन्ह और आश्चर्यकर्म सामने ला रहा है।

103 यह क्या है? यह यर्दन को पार करना है। परमेश्वर के संग अकेले में हो जाये।उसकी अपनी शुद्ध होने की भट्टी में लेट जाए। महान स्वामी कुम्हार के चाक पर आ जाए और उसे आपको ढालने दे। आज रात्रि, जबकि हम प्रार्थना में है, जबकि हम उस स्थान पर आ रहे हैं, कि स्वयं को ठीक उसके चाक पर रख दे, और कहे, "प्रभु, मैं यहां पर हूं मुझे ढाल दे मुझे अपनी ही रीति पर बना दे।" और परमेश्वर यह करेगा।

104 जबकि हम अपने सिरों को एक क्षण की प्रार्थना के लिए झुकाये हुए है। प्रार्थना से थोड़ा पहले, मैं अंदर और बाहर वाले लोगों से यह प्रश्न पूछना चाहता हूं। कि आज रात्रि कितने ईमानदारी से यीशु के साथ यर्दन पर जाना

चाहते है, और पार हो जाने पर जहां आप दर्शन देख सके और देखे कि वास्तव में परमेश्वर का क्या अभिप्राय है? क्या आप अपने हाथ उठायेंगे? परमेश्वर आपको आशीष दे। बस देखें! कि मैं अनुमान लगाता हूं कि लगभग दो सौ हाथ भवन में उठे हुए है। यर्दन पर जाए, ना की धार्मिक विद्यालय। एलीशा वहां पास से होकर निकल गया।

उन्होंने कहा, "यहां रुक।"

105 उसने कहा, "मैं नही चाहता। यह मनुष्य द्वारा निर्मित है।" ओह, यह उस मनुष्य की जो परमेश्वर का प्यासा है उसकी प्यास नहीं बुझा सकता। कोई धार्मिक विद्यालय का अनुभव कोई कला की डिग्री नहीं—नहीं या, आदि–आदि कभी भी प्यास नहीं बुझाएगी, जब तक आप उस जीवन के सोते से ना पीए।

आप जिन्होंने अपने हाथ उठाए हैं, अब मेरे साथ प्रार्थना करें।

106 प्रिय परमेश्वर, इस कुछ मिनटों की सभा में, पुरुष और महिलाएं जो दीवार के साथ साथ खड़े हैं, लड़के और लड़कियां; जो बाहर खिड़कियों में झुके हुए खड़े हैं; गर्मी है। परंतु अभी भी उनमें कुछ है कि आपने उनके ध्यान को अपनी ओर आकर्षित किया है, या तो फिर वे चले गए होते। वे वहां इस प्रकार नहीं खड़े होते।

107 परंतु प्रभु परमेश्वर, क्योंकि वे जानते है कि वे मात्र मानव जीव है। हम अखबार में पढ़ते हैं, जिसमें हमारे एक माननीय अवकाश प्राप्त मेयर ने उपराष्ट्रपति को बोलते सुना, और चल बसा था। दूसरा, दूसरी रात्रि गेंद के खेल में एक जाना माना व्यक्ति एकदम चला गया। और आज रात्रि उनके प्राण कहीं पर है। परमेश्वर, एक दिन हमारा भी वही मार्ग होगा। संभव है, इस प्रकार नहीं, परंतु हमें जाना है।

108 और होने दें कि लोग अपने आप में छापे में आए और अनुभव करें कि किसी कलीसिया से संबंधित होना आपकी मांग यह नहीं है। आप चाहते हैं लोग पवित्र आत्मा से भर जाए, उत्पन्न हो, काट कर निकाले जाए, अंदर से पवित्र आत्मा द्वारा जलाए जाए, नए लोग जो यर्दन पार चुके हो, परमेश्वर द्वारा बुलाए गए लोग। और हम प्रार्थना करते हैं कि बिली ग्राहम और दूसरे जो बेदारी के लिए प्रार्थना कर रहे है उसे भेजें। जब आप मनुष्य को उनके आपे में से निकाल सकते हैं, उनके धार्मिक शिक्षा के विद्यालय से उनके अपने जीवित रहने के ढंग से निकाल कर, भय रहित लोग, आपके

संग चरित्र वाले—वाले मनुष्य, जो आपका विश्वास करते हैं और आपको आपके वचन के आधार पर ग्रहण करते हैं।

109 परमेश्वर, हो सकता है बहुत से वे जो अब यहां खड़े हुए उपस्थित हैं, वे सब जो उनके पास है, प्रभु यीशु को दे देंगे, और संसार को बचे देंगे गिलगाल को पीछे छोड़ दे प्राश्चित का स्थान और आरंभ के मसीही। भविष्यवक्ताओ के विद्यालय को पीछे छोड़ दे जो अपने धार्मिक ज्ञान के साथ बैठे हैं। यर्दन पार जाए एक खुले दर्शन पर, जब वे पार जाएंगे तो पाएंगे की जीवित परमेश्वर अब भी जीवित है।

110 बाद में हम पाते हैं यह भविष्यवक्ता अपने चारों ओर देखता है, और वहां पर वे ही आग के दूत थे, और रथ एक दिन वहां दोतान में थे।

111 प्रभु, आज रात्रि भी वे यहां है। अपने पुरुषों और महिलाओं को पुकारे, अपने लड़के, अपनी लड़कियों को, प्रभु। उनके ह्रदयो में शांती बोले और उन्हें संसार की वस्तुओं के पार जाने दे। हम उसके लिए उसके नाम यीशु में मांगते हैं। आमीन।

112 मैं एक क्षण के लिए वास्तविक शांत आराधना में, वह गाना गाना चाहता हूं।

प्रभु, तेरे अपनी राह में!
तेरी ही राह में!
मेरे जीवन को थाम ले
पूर्ण शासन में!
मुझे ढाले और बनाएं
अपनी ही इच्छा अनुसार,
जबकि मैं प्रतीक्षा में हूं,
समर्पित और शांत।

सब एक साथ, आराधना के रूप में।

तेरी अपनी ही राह में...

अब स्वयं को इस गीत के लिए समर्पित करें परमेश्वर को इस गीत के द्वारा।

तेरी अपनी ही राहों में!
मेरे जीवन को थाम
संपूर्ण शासन से!
मुझे ढाल और मुझे बना
अपनी इच्छा के अनुसार,
जबकि मैं राह देख रहा हूं,
समर्पित और शांत।

113 अब शांति में, आराधना, इधर उधर ना देखे, केवल परमेश्वर की ओर देखे।

तेरी अपनी ही राह में...

वास्तव में यही अर्थ है।

तेरी ही राहों में!
तू कुम्हार है;
मैं मिट्टी हूं।
मुझे ढाल और मुझे बना
तेरी इच्छा के अनुसार,
जबकि मैं प्रतीक्षा कर रहा हूं,
समर्पित और शांत।

114 मैं विश्वास करता हूं कि यह वास्तव में अच्छा होगा। आप आराधना करना पसंद करते हैं? अब संदेश समाप्त हो गया है। आइए अपने झुके हुए सिरों के साथ एक मिनट के लिए आराधना करें, फिर से वह गीत। आपके हृदय से इसका अर्थ हो।

तेरा हूं...
तेरी अपनी राहों में!
तू कुम्हार है;
मैं मिट्टी हूं।
मुझे ढाल और मुझे बना
अपनी इच्छा अनुसार,
जबकि मैं प्रतीक्षा कर रहा हूं,
समर्पित और शांत।

115 प्रभु, इसे ग्रहण करें: हर कोई इन छोटे–छोटे बालकों से बूढ़े पुरुषों और महिलाओं तक दिव्य उपस्थिति में है, होने दे कि पवित्र आत्मा अभी इनके विश्वास पर कार्य करें और सारे संदेह दूर कर दे, सारी छोटी–छोटी असफलताये, और ऐसा हो कि यह तेरी इच्छा अनुसार ढाले जाए। जबकि यह तेरे ढलाई के चाक पर है, हम अपने प्राणों को समर्पण और फिर से ढलने के लिए रखते हैं। ओह, परमेश्वर, इसे ग्रहण करें, तेरे पुत्र यीशु के नाम में। आमीन।

116 मुझे यह अच्छा लगता है। क्या आपको नहीं? केवल शांति से पवित्र आत्मा का अनुभव। ओह एक कठोर संदेश के पश्चात और तब पवित्र आत्मा की यह मिठास! यह वचन के द्वारा आती है। मैं इसका एक पद गाने जा रहा हूं, या इसका यत्न करूंगा।

यह लहू के साथ टपक रहा है, जी हां, यह लहू के साथ टपक रहा है,
पवित्र आत्मा का यह सुसमाचार, यह लहू के साथ टपक रहा है,
प्रेरितो का लहू जो सत्य के लिए मरा,
यह पवित्र आत्मा का सुसमाचार लहू के साथ टपकता है।

पहले वाले को पवित्र आत्मा की योजना के लिए मरना था,
क्या यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, परंतु वह एक मनुष्य के समान मरा;
तब प्रभु यीशु आया, उन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ाया,
उसने प्रचार किया कि आत्मा मनुष्य को बचा ले पापो से।

पौलुस और पतरस थे, और यूहन्ना दिव्य,
उन्होंने ने अपना जीवन दे दिया ताकि यह सुसमाचार चमक सके;
उन्होंने अपना लहू मिला दिया, पुराने भविष्यवक्ताओं के समान,

ताकि परमेश्वर का सत्य वचन ईमानदारी से बताया जाए।

तब उन्होंने स्तफनूस को पत्थरवाह किया, उसने पाप के विरुद्ध प्रचार किया,
उसने उन्हें इतना क्रोधित कर दिया, उन्होंने उसका सिर दे मारा;
परंतु वह आत्मा में मरा, उसने आत्मा छोड़ दिया,
और दूसरों के साथ सम्मलित होने चला गया, वह जीवन देने वाली आत्मा।

वे प्राण जो वेदी के नीचे चिल्ला रहे है, "कितने देर और? "
ताकि प्रभु उन सबको दंडित करें जिन्होंने गलत किया;
परंतु अभी और है जो तैयार है जो देंगे अपने जीवन का लहू
ताकि पवित्र आत्मा का यह सुसमाचार और इसकी लाल बाद।

अब सब एक साथ।

यह लहू के साथ टपकता है, हां, यह लहू के साथ टपक रहा है,
यह पवित्र आत्मा का सुसमाचार यह लहू के साथ टपक रहा है,
प्रेरितो का लहू जो सत्य के लिए मरा,
यह पवित्र आत्मा का सुसमाचार लहू के साथ टपक रहा है।

117 वे क्या थे? जिन्हें परमेश्वर ने प्रशिक्षित किया और बुलाया। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] परमेश्वर अपने वचन को रखने के लिए कैसे डरपोक को प्रयोग कर सकता है? वह डरा हुआ है। यही कारण है कि वे इस विषय में कुछ नहीं जानते। वे मनुष्य जो डरते नहीं, जिनको परमेश्वर ने पवित्र आत्मा के द्वारा खतना किया है, परमेश्वर भीतर रहता है। वह ऐसे ही अपने लहू से अपनी गवाही मोहर करेगा, जैसे कि कुछ ना हो उनकी गवाही उसके लहू से; चिंता नहीं करता। जिसे वह जीता है वह मसीह है।

"जीना मेरे लिए मसीह और मरना लाभ है।" इसके विषय में उन्हें ऐसा ही लगता है। आमीन।

118 अब यह प्रार्थना पंक्ति का समय है। और यह पहले की प्रार्थना पंक्ति है, आठ के पश्चात और लगभग बीस। परंतु हम लोगों के लिए प्रार्थना करना चाहते हैं। अब मैं चाहता हूं कि आप, यह... जितना प्रचार हम कर सकते हैं उसका स्वयं परमेश्वर के मुख से निकले एकवचन से भी कोई तुलना नहीं—नहीं।

119 अब प्रार्थना पंक्ति आरंभ करने के लिए, जिसके लिए हमने सबसे प्रतिज्ञा की है। परमेश्वर चाहेगा तो, हम करेंगे। हमने प्रत्येक रात्रि प्रार्थना पत्र दिए है। और उसमें कहा है, कि... हर रात्रि हम एक झुंड को बुलाएंगे, बातों को परखने के लिए। परंतु उनमें से कुछ लोग उसी रात्रि चले जाएंगे। हमारी एक महान सभा होगी, और आत्मा उतरेगा, और लोग चले जाएंगे। और अगली रात्रि हमें और अधिक देना होगा।

120 और यदि मैं गलती ना करूं, क्या मैं फैनी विल्सन को पीछे खड़े नहीं देख रहा हूं? [बहन विल्सन कहती है, "ठीक बात है।"—सम्पा।] मुझे स्मरण है कि उस महिला को लगभग सत्रह... ओह, इससे अधिक लगभग बीस–... ["1932।"] 1932, टीबी से मर रही थी, और इस नगर के डॉक्टर ने मना कर दिया था। और अंदर से उसे घाव था यहां तक कि उसके कंबल, और हर चीज लहू से भीग गई थी। एक प्रात: उसका पति और पुत्री आकर मुझे ले गए। वहां जाकर उसे प्रभु यीशु का नाम स्मरण कराया। और कुछ ही दिनों पश्चात, एक ठंडे जाड़े के मौसम में, मैंने उसे नदी में, प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा दिया। और वह मवेशियों के ट्रक में पीछे लहू में लथपथ होकर आई, जितनी हो सकती थी। वह आज रात्रि भी जीवित है, क्योंकि यह मसीह ने किया। पहली बार मैंने उसे वर्षों पहले देखा था। इसे देखने के लिए चारो ओर सभा में ढूंढ रहा था।

121 परमेश्वर अब भी जीवित है। यह सत्य है। और उसने कहा, "क्योंकि मैं जीवित हूं तुम भी जीवित रह सकते हो।"

122 अब मैं यह चाहूंगा, कि आपको ऐसे स्थान पर कि यह क्या है, क्योंकि, यदि मैं नहीं समझता हूं, तो आप जाकर, यह कहेंगे, "कि मेरी समझ में यह नहीं आता की।"

123 अब, मेरे दावे यह है, कि, "यीशु मसीह कल, आज, और सर्वदा एक सा रहता है।" अब, यदि वह एक सा है, तो उसे हर सिद्धांत में एक सा रहना चाहिए, सामर्थ में, शक्ति में—में, और हर चीज में वैसा ही रहना चाहिए जैसा कि वह था।

124 जब वह यहां पृथ्वी पर था वो एक बार कुछ यूनानी आए, जिसने आकर और कहा, "श्रीमान, हम यीशु से मिलना चाहते है।"

125 और मेरा विश्वास है कि प्रत्येक पुरूष और महिला की यह इच्छा है जिसने कभी यीशु के विषय में सुना, वह उसे देखना चाहता है। और यदि वह एक सा नहीं है, तो हम उसे नहीं देख सकते। परंतु यदि वह एक सा है तो हम उसे देख सकते हैं, या उसने कुछ गलत बताया। "अभी थोड़ी समय बाद, और संसार मुझे फिर ना देखेगा, तौभी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं," व्यक्तिगत सर्वनाम, "मैं तुम्हारे साथ होऊंगा, तुम्हारे अंदर होऊंगा, युग के अंत तक।" और तब यीशु ने अपनी कलीसिया में होने कि प्रतिज्ञा की है, और उन्हें कामों को करने कि जो उसने तब किए थे, जब तक युग समाप्त नहीं हो जाता। अब, उसने कहा, "थोड़ी देर बाद," संसार मुझे और ना देखेगा। तो फिर हम उसे कैसे देखेंगे? हम उसका आत्मा देखेंगे, यदि वह हममें है, और उसका आत्मा वही कार्य करें जो उसने तब किए थे, या फिर यह वही आत्मा नहीं है।

126 "मैं देखता हूं, तुम डालियां हो।" और यदि हम बने रहे... यदि डाली दाखलता में है, तो डाली उसी प्रकार का फल लाएगी जो दाखलता उत्पन्न करेगी। अच्छा, पहली दाखलता आई... पहली डाली जो दाखलता में से निकली वह पेंटीकोस्टल कलिसिया थी; दर्शन, सामर्थे, चंगाईयां, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, महान चिन्ह और आश्चर्य कर्म। अगली डाली भी बिल्कुल पहली डाली जैसी होगी। अंत में, वैसा ही होगा। यही है जो यीशु ने कहा।

127 अब देखे कि वह बीते कल में क्या था। यदि हम यह जान सके कि वह क्या था... अब, मैं संक्षेप में बात कर रहा हूं, समय के कारण; पांच मिनट में निर्देश देने जा रहा हूं। यदि हम देख सके कि वह कल क्या था तब हम देख सकेंगे, कि वह आज क्या है और सदा रहेगा। क्या यह काफी स्पष्ट है?

128 अब जब वह इस पृथ्वी पर था, वह एक मसीह के समान आया, यूहन्ना के द्वार बपतिस्मा पाया; और अभी तक कोई कार्य नहीं किया था। और उसने अपनी आरंभ की सेवा में प्रवेश किया। वह किसके पास भेजा गया था? यहूदियों के पास।

129 अब हम यह अनुभव करते हैं कि संसार में केवल तीन प्रकार के लोग है: जो कि यहूदी, अन्यजाति और सामरी; जो कि हेम, शेम और यपेत के लोग, यहूदी, अन्यजाति और सामरी।

130 आपको याद है? पतरस को उनके पास स्वर्ग के राज्य की कुंजी के साथ बुलाया गया, यहूदियों के पास पेंटीकोस्ट पर। "तुम में से प्रत्येक प्राश्चित करें, और यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले।"

131 फिलिपुस ने जाकर प्रचार सामरियो को प्रचार किया। उन सब ने विश्वास किया, और प्राश्चित किया और यीशु मसीह के नाम का बपतिस्मा लिया। केवल पवित्र आत्मा उन पर नही उतरा था। पतरस के पास कुंजिया थी। वह आया और उन पर हाथ रखे, और उन्होंने पवित्र आत्मा पाया।

132 और तब कुरनेलियस, अन्यजाति को दर्शन मिला, ताकी वह भेजकर पतरस को बुलवाए, शमौन पतरस, एक चमडा का धंधा करने वाला था, उसके घर में रहता था। और जब पतरस वहां आया, "जबकि पतरस यह वचन बोल ही रहा था, पवित्र आत्मा उन पर उतरा आया।" तब पतरस ने कहा, "क्या मनुष्य पानी को रोक सकता है? इन्होंने भी हमारे समान पवित्र आत्मा पाया जैसे कि हमने आरंभ में पाया था।" हर डाली वैसे ही फूट कर निकल रही है। देखा?

133 अब, जब यीशु मिला... अब वह अन्यजातियों के पास नहीं आया था। किसने यह बात जानते हैं? उसने अपने चेलों को किसी भी अन्य जाति के पास जाने से रोका। कितने इस बात को जानते हैं? "अन्य जातियों के पास ना जाना, परंतु इस्राएल की खोई हुई भेड़ों के पास जाना। और जैसा कि तुम जा प्रचार करते हुए कहो, 'परमेश्वर का राज्य निकट है,' इस्राएल की खोई हुई भेड़ों के लिए।"

134 उस दिन में कौन उसके आने की राह देख रहा था? अन्य जाति नहीं; हम मूर्तीपूजक, एग्लो– सेक्सन थे। हम रोमी, जो सूर्य और आदि–आदि की आराधना करते थे। हम किसी मसीह की प्रतीक्षा नहीं कर रहे थे है,

परंतु यहूदी और सामरी थे। अब, उसने स्वयं को उन लोगों पर कैसे प्रगट किया जो उसकी प्रतीक्षा देख रहे थे?

135 अब हम वापस संत यूहन्ना के 1ले, अध्याय में वापस चले, और अब कुछ क्षण के लिए। और ध्यान से सुने।

136 पहला यहूदी जो उसके साथ पास कभी लाया गया, जब फिलिपुस या... इन्द्रियास का मत परिवर्तन हुआ, और जाकर अपने भाई को शमौन पतरस को ढूंढा, वह शमौन को यीशु के सम्मुख लाया। और यीशु ने बताया कि उसका क्या नाम था, और उसके पिता का क्या नाम था। कितने यह बात जानते हैं? आप क्या सोचते हैं कि उस मनुष्य को क्या हुआ, जिसके पास बाद में स्वर्ग के राज्य की कुंजियां उसके हाथ में थी? यही था जिसने यह सिद्ध किया कि वही स्वयं मसीह है।

137 तब एकदम से, फिलिपुस का मत परिवर्तन हो गया, और जाकर नतयेल को ढूंढा। यह पहाड़ के उस पार तीस मील दूर है। और वह घर पर आया, और मैं उसे यह कहते हुए सुन सकता हूं, "ओह, और श्रीमती नतयेल, नतयेल कहां है? "

"ओह, वह बाहर जैतून के बाग में—में है।"

138 तेजी से वहां भागा, "नतयेल, तुम कहां हो? " और उसने उसे पेड़ के नीचे पाया। और नतयेल प्रार्थना कर रहा था। और जब तक वह प्रार्थना ना कर चुका उसे प्रतीक्षा की। और उसने यह नहीं कहा, "कैसे हो, नतयेल? फसल कैसी हो रही है? " ओह, उसके पास सन्देश था! जिससे यीशु मिल चुका वह इसी प्रकार का होता है। उसके पास मूर्खता के लिए समय नहीं है। उसने कहा, "आओ, और देखो हमें कौन मिला नासरत का यीशु, युसूफ का पुत्र!"

139 और अब मैं देख सकता हूं नतयेल प्रार्थना पर से उठ कर, अपने कपड़े झाड़ रहा है। उसने कहा, "अब फिलिपुस, मैं जानता हूं कि तुम एक भले व्यक्ति हो, और एक ईमानदार व्यक्ति हो। अब, क्या नासरत से कोई अच्छी चीज निकल सकती है? अच्छा, आप जानते हैं, यदि मसीह आएगा, तो वह कलीसिया से होकर येरूशलेम में आएगा।" आज यही है जो लोग सोचते हैं। समझे? "वह येरूशलेम से होकर आएगा। अंतिम सभा में कैफा ने इसकी घोषणा नहीं की। ऐसे ही किसी भी धर्म ज्ञाता ने घोषणा नहीं की। इसलिए

मैं जानता हूं कि तुम एक ईमानदार व्यक्ति हो। और तुम गहराई से अलग हो गए हो? ”

“ओह, नहीं। तुम आकर देख लो।”

उसने कहा, “कोई अच्छी चीज हो सकती... ”

140 उसने उसे सबसे अच्छा उत्तर दिया जो कोई किसी व्यक्ति को दे सकता है, कहा, “आकर, स्वयं देख लो।”

141 अब, मार्ग पर चलते हुए, मैं सुन सकता हूं, नतयेल कहता है... या फिलिपुस नतयेल से कहता है, “क्या तुम जानते हो? तुम्हे स्मरण है वह बूढ़ा मछुआरा जो कि रसीद पर अपने हस्ताक्षर भी नहीं कर सकता था जब तुमने उसे वह दिया था उससे वे मछलियां खरीदी थी? ”

“हां मुझे विश्वास है उसका नाम शमौन था।”

“हां, वहीं।”

142 “उस दिन मैं उसे उस मसीह के सामने लाया, और जैसे ही उसने उसे देखा, उसने कहा, ‘तेरा नाम शमौन है। तेरे पिता का नाम योना है।’ और मैं... क्या मुझे आश्चर्य ना होगा, परंतु जब तुम उसके सामने जाओगे, वह तुम्हें ना बताएगा कि तुम कौन हो।”

उसने कहा, “आह, अब, एक मिनट ठहरो, मुझे नहीं।”

143 इसलिए, अगले दिन वे पहुंचे। और यीशु प्रार्थना पंक्ति में था, जैसे कि वह बीमारों के लिए प्रार्थना किया करता था, और जब वह आया और सभा में पहुंचा, यीशु ने देखा, और उसने फिलिपुस को आते देखा, एक मनुष्य को गलियारे में से ला रहे थे। और उसने उसकी ओर देखा, और उसने कहा, “देखो एक इस्राएली जिसमें कोई भी छल नहीं है।”

144 यह एक नई शिक्षा है? ये यीशु कल था। यह यीशु आज है, यदि वह एक सा है।

145 और वह व्यक्ति रुक गया। मैं देख सकता हूं कि नतयेल, फिलिपुस ने कोनी मार कर, कहा, “मैंने तुम्हे क्या बताया था? मैंने तुम्हे क्या बताया था? मैंने तुम्हें क्या बताया था? ”

146 उसने कहा, “रब्बी,” जिसका अर्थ है *गुरु* या आज हम जो भी इसे कहे, आप जानते है। वास्तव में, सही हिब्रू का शब्द *गुरु* है। कहा, “रब्बी, तूने मुझे कभी नहीं देखा? तू मेरे विषय कोई बात कैसे जानता है? मैंने तुझे

कभी अपने जीवन में नहीं देखा। तू कैसे जानता है कि मैं इस्राएली हूं? तू कैसे जानता है कि मैं धर्मी और ईमानदार और सच्चा हूं? तूने मुझे अपने जीवन में पहले कभी नहीं देखा। तू मुझे कैसे जानता है? ”

147 उसने कहा, “इससे पहले कि फिलिपुस तुझे बुलाए, जब तू पेड़ के तले था, मैंने तुझे देखा, ” एक दिन पहले पहाड़ के दूसरी ओर तीस मील। क्या आंखे है!

148 अब उसने क्या कहा? उसने कहा, “रब्बी, तू परमेश्वर का पुत्र है। तू इस्राएल का राजा है।” यदि यहूदी यह पहचान ले... अब ठहरिये। यह चुना हुआ यहूदी था। कितने चुनाव में विश्वास करते हैं? ओह, बहुत से लोग हैं जो यह कभी स्वीकार नहीं करेंगे। समझे? बाईबल ने ऐसा कहा है। परंतु उस मनुष्य में परमेश्वर का आत्मा था। और उसने यह स्वीकार किया कहा, “रब्बी, तू परमेश्वर का पुत्र है। तू इस्राएल का महाराजा है।”

149 परंतु वहां उन दिनों के धर्मी ज्ञानी, पुरोहित वहां खड़े थे, और महान शिक्षक उसकी सुन रहे थे। और आप जानते हैं उन्होंने क्या कहा? उन्होंने कहा, “यह भावी बताने वाला है। इसके ऊपर बालजबूल का आत्मा है।” यीशु... वे यह बात कभी भी जोर से नहीं बोले। नहीं, नहीं।

150 परन्तु यीशु घूमा और उन्हें देखा। उसने कहा, “तुम मुझे यह कह सकते हो और इससे बचकर निकल जाओगे। परंतु एक समय आएगा जब पवित्र आत्मा आएगा, और जब तुम एक शब्द उसके विरोध में यही कार्य करते हुए बोलोगे, वह कभी भी ना तो इस संसार में या आने वाले संसार में क्षमा ना होगा।”

151 इसलिए हम किसके साथ व्यवहार कर रहे हैं? वे यहूदी थे। वास्तविक सच्चे और निष्ठावान यहूदियों ने उसका मसीह होने का विश्वास किया।

152 शिक्षक और धर्मज्ञानी, वे क्या थे? सर्प का वंश, जैसा कि हम देख चुके हैं। उसने कहा, “तुम अपने पिता शैतान से हो।” यदपि, वे तेज तरार, बुद्धिमान, पवित्र लोग थे। वे एक भी तिनका नहीं हिलाते... पवित्र। वे सब्त नहीं तोड़ेंगे। वे मांस नहीं खाएंगे। वे पवित्र लोग थे, परंतु वे देखने में असफल रहे। देखिए, मनुष्य के द्वारा प्रशिक्षित किए गए थे।

परमेश्वर अपने लोगो को कठिनाई में प्रशिक्षित करता है। यह ठीक बात है। परमेश्वर द्वारा बुलाये हुए लोग!

153 तब एक दिन वह—वह करेगा... यही यहूदियो ने सोचा था। उसने इसी प्रकार से स्वयं को यहूदियों पर प्रगट किया था। कितने जानते हैं कि यह वचन है? ठीक है। अब, यदि अपने आपको उसने यहूदियों पर प्रगट किया, तो वह यीशु कल था यहूदियों के साथ।

154 "अब, आपने कहा, 'सामरी उसके आने की राह देख रहे थे।'" जी हां, वे, परंतु अन्य जातियां नहीं, केवल सामरी।

155 जब वह पहले सामरियो से मिला, उसे सामरिया होकर जाना अवश्य था। और वह रुका, और अपने चेलों को खाना लेने के लिए भेजा, लगभग बारह बजे। वो कुएं पर बैठ गया। एक स्त्री निकल कर आई, आरंभ किया... अब इस देश में हम जानते हैं कि वह स्त्री बदनाम थी, एक सड़क छाप महिला, आप जानते हैं, वैश्या। और इस प्रकार वह आई और अपनी बाल्टी कुएं में उतारने लगी, कि कुछ पानी ले। और उसने एक आवाज को कहते सुना, "स्त्री मुझे पानी पिला।" और उसने देखा और वहां एक अधेड़ आयु का यहूदी बैठा था।

156 वह तीस के लगभग था, परंतु बाईबल ने कहा वह पच्चास का दिखता था। उन्होंने कहा, "तू पच्चास वर्ष से अधिक का नहीं और कहता है कि तूने 'अब्राहम को देखा है'? "

157 उसने कहा, "इससे पहले कि अब्राहम था, मैं हूं।" समझे? बूढ़ा सा दिखाई पड़ता होगा, अपने कार्य के कारण उसकी मानव देह।

158 और उसने देखा। वह जान गई कि वह यहूदी था। बोली, "श्रीमान, तुम यहूदियों का यह व्यवहार नहीं कि इस प्रकार की चीज मांगो। हम लोग एक दूसरे से कोई व्यवहार नहीं रखते।"

159 उसने कहा, "स्त्री, यदि तू जानती कि तू किससे बात कर रही है, तो तू मुझसे पानी मांगती। और मैं तुझे पानी ला कर देता, तुझे भरने के लिए यहां ना आना पड़ता।" वह क्या कर रहा था? उसकी आत्मा से संपर्क कर रहा था। समझे? देखिये, अब वह अपने आपको सामरियो पर प्रगट करने जा रहा था।

160 और उसने कहा, "तुम क्यों कहते हो, 'यरूशलेम में आराधना करो।' हम कहते है 'इस पहाड़ पर।'"

161 उसने कहा, "समय आता है, और अब है, जब तुम ना इस पहाड़ पर या यरूशलेम में परमेश्वर की आराधना करोगे, परंतु आत्मा और सच्चाई से। पिता ऐसो ही को ढूंढता है।"

162 वह क्या कर रहा था? उसकी आत्मा को पकड़ रहा था। और थोड़ी देर पश्चात, जब उसने पाया कि उसकी परेशानी कहां थी... कितने जानते हैं कि उसकी क्या परेशानी थी? उसके पांच पति थे, और वह छठवे के साथ रह रही थी। इसलिए, उसने कहा, "स्त्री जाकर अपने पति को यहां बुला कर ला।"

उसने कहा, "मेरा कोई पति नहीं है।"

163 कहा, "यह ठीक है। तेरे पास... पांच थे और जिसके साथ तू अब रह रही है वह भी तेरा नही है।"

164 वह रुकी और उसकी ओर देखा। अब उसने यह नहीं कहा कि, "तू बालजबूल है, श्रीमान। तू भविष्य बताने वाला है।" वह जेफरसनविले के आधे प्रचारकों से अधिक जानती थी, वैश्या होने के नाते, यह बात ठीक है। उसने कहा, "श्रीमान, मैं यकीन करती हूं कि आप भविष्यव्यक्ता हैं।"

165 "भविष्यवक्ता" पर ध्यान दें। और यदि आप वचन में पीछे जाएंगे, तो आपको मिलेगा, वह भविष्यवक्ता जिसके लिए मूसा ने कहा था कि वह आएगा, देखा, "देखा प्रभु तुम्हारा परमेश्वर मेरे समान एक भविष्यवक्ता उठा खड़ा करेगा।"

166 उसने कहा, "मुझे लगता है कि तू भविष्यवक्ता है।" वह जानती थी वह किसी और प्रकार से नहीं जाना जाएगा; इसे नहीं जाना जा सकता। कहा, "मुझे लगता है कि तू भविष्यवक्ता है।" अब यहां सुने, "हम... " सामरी लोग, अब यहूदी नही, सामरी, "हम जानते है, जब मसीह आएगा, वह हमें सारी बात बता देगा।" देखा किस प्रकार के चिन्ह को वे देख रहे थे? मसीह का चिन्ह। "जब मसीह आएगा, वह हमें यह बातें बताएगा, परंतु तू कौन है? "

उसने कहा, "मैं वही हूं, जो तुझ से बोल रहा हूं।"

167 और उसने अपना घड़ा थोड़ा और नगर को दौड़ गई, और कहा, "आओ, एक मनुष्य को देखो उसने सारी बातें जो मैंने की मुझे बता दी। क्या यही तो मसीह नहीं? "

168 यदि उस समय यह मसीह का चिन्ह था, तो यह आज भी मसीह का चिन्ह है। यदि वह है... अब स्मरण रखें यह आश्चर्य कर्म अन्य जातियों के सामने एक बार नहीं किया गया। यह निषेध था। क्यों? अन्यजातियों के पास कलीसिया शास्त्र के दो हज़ार वर्ष के थे।

169 परन्तु अब अन्यजातियों का समय यहां पर समाप्ति पर है। और रूस, साम्यवाद के बमो की दिशा अंत में भी आपकी ओर है। चिंता ना कीजिए यह आ रहा है। बाईबल ऐसा ही कहती है। यह यहां पर आपके नाम के साथ लिखा हुआ है, और यह एक सेकंड में धूल बन जाएगा, सारा का सारा राष्ट्र। यह पूर्णत: भस्म हो जाएगा। ध्यान दें, यह परमेश्वर कर रहा है। मैं जानता हूं कि वे स्वतंत्रता के राजा वे मूर्तिपूजको के झुण्ड है। परंतु क्या परमेश्वर ने मूर्तिपूजको के राष्ट्र को इस्राएल को सीधा करने के लिए नहीं उठाया, पिछले बीते दिनों में? बाईबल दावा करती है कि रूस और साम्यवाद परमेश्वर के हाथों में है, कि इस भूमि के लोगों को पूरी तरह से साफ कर दें।

170 परंतु इससे पहले कि यह घटित हो, रेपचर आता है और कलीसिया को घर ले जाता है इससे पहले की यह घटित हो। और यदि यह इतना समीप है, तो रेपचर कितना समय है? इस से भी समीप। इसलिए आप देखिए क्यों हम... क्यों मैं इस प्रकार प्रचार करता हूं, क्यों मैं इतना कड़ा परिश्रम करता हूं जितना कर सकता हूं; जबकि परमेश्वर सब कुछ जो वह कर सकता है, कर रहा है, ताकि चुने हुओं तक पहुंचे, ताकि स्त्री के वंश को निकाल लाए ताकि सर्प वंश को दंड मिले। यह बिल्कुल ठीक बात है। यही करने की प्रतिज्ञा की है।

171 अब, यदि यीशु ने स्वयं को यहूदियों के सन्मुख प्रगट किया है और समारियो के सामने उन चिन्हों द्वारा, और हमें बगैर उन्हीं चिन्हों के द्वारा प्रगट हुए जाने देगा, वह अन्यायी है, यदि वह हमें ले, यह कहने के द्वारा, "हम मैथोडिस्ट है; हम बैपटिस्ट है; हम कैथोलिक है; हम प्रेसबीटेरियन हैं," नहीं, श्रीमान, यदि वह हमें ठंडे धर्म ज्ञान से लेगा।

172 वो उन्हीं चिन्हों चमत्कारों के साथ, जैसे पहले आया, और किए, ये यदि वह आज, कल, और सर्वदा एक सा है। तो हम उस दिन में पहुंच गए हैं। अब हम वही है। बाईबल से, गवाहों से, आत्मा से, विज्ञान से, हर चीज

सिद्ध करती है, कि वह यहां है। ओह मैं... ओह, मेरी इच्छा है, मेरे पास शक्ति होती कि यह लोगों में घुसा दूं, कि उन्हें यह दिखाई पड़े।

173 आप जो यहां जेफरसनविले के लोग मेरे लोग हैं। मैं आप लोगों के साथ बड़ा हुआ हूं। और मैं—मैं आपसे प्रेम करता हूं। मुझे हठ धर्मी ना—ना समझे। आप सोचते हैं कि यह भविष्यवाणियां? 37 की बात को फिर से देखें आप लोग, जब आप लोग इस कलीसिया पर यहां हंसे थे। और मैंने कहा था, "यहां स्प्रिंग सड़क पर बाईस फुट ऊपर," होने के छह महीने पहले। मुझे एक बार भी बताएं कोई भी बात जो कही गई, **यहोवा यों कहता है**, वाली कि वह सही सत्य नहीं निकली। मुझे एक बात बताएं जो उसने कभी कहीं हो। कभी नहीं हुआ! वह सत्य है, और आज भी यह सत्य है, और यह सदा सत्य रहेगा।

174 अब हम नहीं ला सकते... मेरा अनुमान है यहां पर सौ या अधिक लोग प्रार्थना के लिए है। हम सब को एक साथ नहीं ला सकते। हम उतने बुलाते रहेंगे, जितने एक बार में आ सकते हैं और उन्हें तब तक लाते रहेंगे जब तक सब यहां ना आ जाए। अब मैं यह आरम्भ करने जा रहा हूं... मैं विश्वास करता हूं... बिली पॉल यहां नहीं है क्या? क्या वह पीछे हैं? कहे कि वह यहां आए। मैं देखना चाहता हूं, यदि उसने दिए हैं... तुमने कौन से प्रार्थना पत्र दिए हैं? [भाई बिली पॉल कहते है, "क्यू, एक से सौ।"—सम्पा।] क्यू के, क्यू, क्यू। प्रार्थना पत्र क्यू। अपने प्रार्थना पत्रों पर देखें। इस पर क्यू। एक से सौ तक होगा। ठीक है। हम सब को एक समय में ऊपर नहीं ला सकते, परन्तु एक बार में थोड़े–थोड़े, जब तक हम सबको यहां ना ले आये। हम चाहते हैं कि वे एक–एक करके आए, जब तक सब पर प्रार्थना ना हो जाए।

175 अब देखिए। मैं चाहता हूं कि हर कोई अंदर और बाहर इसे सोचें। और इस सभा के समाप्त होते–होते, मैं इस कलीसिया को पास्टर नेविल को समर्पित करता हूं, आप सबको उन्हें समर्पित करता हूं, और उन्हें परमेश्वर को भाई नेविल यहां है। मैं आप सब को जो पीछे हैं निमंत्रण देता हूं। भाई नेविल एक बहादुर सिपाही है। वह मसीह के वास्तविक सेवक है। पुराने मैथोडिस्ट प्रचारक, मेरा विश्वास है, कि ऐसबरी का एक छात्र, और वह सारे धार्मिक ज्ञान, धार्मिक विद्यालय और अनुभव के साथ, जो वे सिखाते हैं प्रशिक्षित किए गए है। परंतु, एक दिन वे ऐसे स्थान में आ गए जहां वे

जान पाए की उनके पास कुछ भिन्न होना चाहिए और उन्होंने रेखा को पार किया। वे यहां पर पास्टर है, एक व्यक्ति पवित्र आत्मा से भरा हुआ, एक वास्तविक प्रचारक, एक वास्तविक धर्म ज्ञानी। और मैं आपसे इस नगर के लोगों से पूछता हूं और इस समाज से, यदि आपके पास कोई कलीसिया नहीं है, और आप वास्तविक सुसमाचार सुनना चाहते हैं यहां भाई नेविल के पास आए। वे भी उसी के पक्ष घर है जिसका मैं हूं। पूर्णत:, एक वास्तविक बहादुर सिपाही। हम सब, भाई नेविल से प्रेम करते हैं। वे यहां हमारे साथ लंबे समय से है, और हम उनसे प्रेम करते हैं।

176 अब यदि यीशु मसीह आत्मा के द्वारा, आज रात्रि यहां वापस आएगा और उन्हीं कार्यों को करेगा जो उसने सब जब पृथ्वी पर था तब किए थे, यहूदी और सामरियो में, तो वही चीज वह आप अन्य जाति के लिए करेगा, आप में से कितने कहते हैं, "मैं उसका पूरे ह्रदय से विश्वास करूंगा और उसे यही स्वीकार करूंगा"? ध्यान रखें कि आप कौन सी कलीसिया से संबंधित है। उस से कुछ नहीं...

177 आप कहते है, "क्या आप चाहते हैं कि मैं मैथोडिस्ट गिरजे जाना छोड़ दूं? " नहीं, श्रीमान। "बैपटिस्ट? " नहीं, श्रीमान।

178 आप जहां चाहे वहां जाए, क्योंकि परमेश्वर के बालक उन हर कलीसियाओ में है। निश्चय ही, उसके पास है। और आप हो सकता है उनमें से एक हो।और मैं आपसे वैसे ही प्रेम करता हूं, जैसे ब्रंहम टेबनेकल के सदस्य से। मेरे लिए कोई भिन्नता ना रखे। आप मेरी सेवकाई के द्वारा मुझे जानते हैं, हर कहीं। मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर अपने बालको से प्रेम करता है, इसका कोई मतलब नहीं कि वे किस छाप को पकड़े हुए हैं। यहां वह जो आपके ह्रदय में है। परंतु हम केवल संगति के लिए नियंत्रण देते हैं। आने के लिए आपका स्वागत है।

179 अब, कोई भी जानता है, और आप जेफरसनविले के लोग जानते है, इसे छोड़ बहुत सी बातें जो कहीं गई और की गई और पहले से बताई गई, उनमें से प्रत्येक बिल्कुल सही सिद्ध रूप से घटित हो रही है... यहां जेफरसनविले में कितने लोग जानते हैं कि यह सत्य है? जितने आस पास जानते हैं, अब अपने हाथ खड़े करें। अब, आप जो नगर से बाहर के लोग हैं, आप समझे मेरा क्या अर्थ है? कितने नगर से बाहर के हैं जो कभी मेरी सभाओं में थे और देखा बिल्कुल वैसे ही घटित हुआ जैसा कि कहा गया

था? अपने हाथ उठाएं, कि जेफरनसनविले के लोग देखे। समझे? बाईबल में कहा गया है, "दो या तीन गवाहों के मुंह से हर एक बात ठहराई जाएगी।" सारे संसार में यही है। तो फिर हम किस प्रतीक्षा कर रहे हैं? हमारे पास हमारे हाथों में हर चीज है, प्रभु यीशु के द्वारा। "उसने हमें हर चीज मुफ्त में दी है।"

180 अब हम प्रार्थना पंक्ति को आरंभ करेंगे। और यदि यीशु मसीह आज रात्रि यहां करें...

181 अब, कितने आप में से प्रभु यीशु के चित्र को जानते हैं, वह ज्योति? आप सब इस विषय में जानते हैं, व्यवहारिक रूप से। यह वॉशिंगटन डीसी में है, उस बढ़िया व्यक्ति के द्वारा जो पिछले कुछ वर्षों से ऐडगर हूनर के पास था, जोर्ज जे. लेसी, उंगली छाप के दस्तावेजो के लिए। उसके— उसके हस्ताक्षर यहां हमारे पास कागज में है। यह वास्तव में... उसने कहा एक बार उसने सोचा कि यह मनोविज्ञान था, मैं लोगों के मस्तिष्क को पढ़ा रहा था। उसने कहा, "परंतु, श्री ब्रंहम यांत्रिकी आंखें कैमरा मनोविज्ञान को चित्रित नहीं करेगा।" कहा, "प्रकाश लेंसों से टकराया है।" और यह सब हमारे पास कागजों पर लिखा हुआ है चित्र के साथ गया है, कि प्रकाश लेंसों से टकराया।

182 कितने अभी जीवित है, जब यह पहले मानव के समक्ष प्रगट हुआ वहां नदी पर, जब मैं वहां से सैकड़ों को बपतिस्मा दे रहा था उस दिन वहां? यहां भवन में है, हाथ खड़ा करें। यहां तीन या चार हाथ है, जो अब भी जीवित है, वर्षों पहले, वहां नदी पर जब वह नीचे आया, और प्रभु का संदेश आया। अब भी वैसा ही है! क्या उसने वही किया जो उसने वहां कहा था? वह सेवकाई मैं प्रचार करूंगा, यह समस्त संसार में बेदारी लाएगा, मसीह के दूसरे आगमन से पहले। देखिए इसने क्या किया। समझे? यह उनके ओरल रोबर्ट के मुख से निकला और उन सबके। समझे? और यह समस्त संसार में गया, हर राष्ट्र, हर प्रकार के लोग, व भाषा में गया। बेदारी की आग जल रही है, महान चंगाई की सभायें। समझे?

183 अब तैयार हो जाए। अंदर, और बाहर जहां कहीं भी आप है, मसीह को ग्रहण करें। क्या आज रात्रि आप करेंगे?

184 अब से आगे, मैं अपने आपको प्रभु यीशु को समर्पित करता हूं, ताकि मैं इस योग्य हो सकूं कि स्वयं को आत्मा को दे दूं, केवल यीशु मसीह को बड़ा

करूं; ना कि स्वयं को, परंतु यीशु मसीह को; ताकि यह लोग, मेरे लोग, मेरे मित्र इस नगर के अंदर और बाहर जान सके, कि जो सुसमाचार मैंने प्रचार किया है... पूर्णत सत्य है। और मसीह यहां पर सत्य को सिद्ध करने के लिए है, अपने वचन और उसके आत्मा के द्वारा।

185 हमें उन्हें केवल एक बार बुलाना है। ताकि हम... हम नंबर एक क्यू से आरंभ करेंगे, क्यू नंबर एक। किसके पास है यह? यदि—यदि आप अभी नहीं खड़े हो सक रहे हैं, एल्डर आपको उठायेंगे। हम आपमें से प्रत्येक को लेना चाहते हैं। क्यू नंबर एक। भाई हिकरसन, बिली पॉल... या ठहरे डोक उनकी सहायता करने जा रहे है। क्यू नंबर एक, क्या आप अपना हाथ उठाएंगे जिसके भी पास है। यह क्या आपको निश्चय है कि वह क्यू था? या, तो, ओह, मुझे खेद है। ठीक है। यहां ऊपर आए। उन्हें गलियारे से होते हुए यहां। क्यू एक है। ठीक है।

186 नंबर दो, कृपया अपना हाथ उठाएं। ठीक है, एक महिला *वहां* पीछे बैठी है। ठीक है, महिला आप आए। *यहां* की ओर से अपना रास्ता बना ले; यदि आप लोग उसे आने दे। लड़के, आपकी सहायता करेंगे, परिचायक और आदि–आदि। क्यू नंबर तीन हाथ, अपना उठाएं। नंबर तीन, क्या आप अपना हाथ उठाएंगे, जिसके पास क्यू नंबर तीन है। देखिए यदि यह महिला जो जा रही है, यदि इसके पास वह पत्र हो। आपके—आपके पास नहीं है? [एक बहन कहती है, "भाई ब्रंहम, मैंने पत्र मांगा था। परंतु मैंने देखा एक मेरा मित्र जो कि बीमार लड़के के साथ खड़ा था।"—सम्पा।] आप—आप ऐसा नहीं कर सकती। ["नहीं कर सकती? "] नहीं। आपको ही रखना है और निर्देशो को सुने। जो भी है हम बालक को लेंगे। समझे? जब आपका नंबर पुकारा जाए आप तभी आए। बालक तब आएगा जब उसे बुलाया जाएगा। समझे? यह ठीक है।

187 नंबर एक, दो। किसके पास नंबर तीन है? अपना हाथ उठाये। नंबर तीन। नंबर चार।

188 अब, यह बहुत ही अच्छा है, बहन महिला कौन थी, जो यह करना चाहती थी। समझे? परंतु देखिये यदि—यदि उनका नंबर बुलाया जाता है, वे आयेंगे ही... यदि वे नहीं बुलाए जाते है, हम उन्हें लेंगे, जो भी है। समझे? हम चाहते हैं कि आप अपने स्थान पर ही रहे, ताकि आप भी अपना स्थान ले सके आप देखिए। देखा? ठीक है।

189 नंबर तीन, नंबर चार, नंबर पांच, क्यू नंबर पांच, अपने हाथ उठाएं... वहां पीछे एक युवा, महिला। नंबर छह। ठीक है, नवयुवक। नंबर सात। यह व्यक्ति यहां पर है। नंबर आठ।

190 हमें यहां करना है। देखिए आप, यह नहीं कर सकते; आप यहां भीड़ लगा देंगे, आप कहेंगे, "हर कोई प्रार्थना करवाना चाहता है।"

191 मैं आपको कुछ दिखाऊं, यदि आप देखना चाहते हैं कि क्यों हम पंक्ति बनवाते है। यहां पर हर कोई ऊपर आकर प्रार्थना करवाना चाहता है, अपने हाथ उठाएं, हर कोई इस से कोई मतलब नहीं कि आप कौन है। वहां देखें। कौन पहले आने वाला है? देखा? वहां कोई तो है।

192 बिली यहां आकर इन प्रार्थना पत्रों को लेकर, और इन सबको आपके सामने मिला दे, और वह किसी को भी प्रार्थना पत्र देगा जो भी एक चाहता हो। आप पांच, छह पा सकते हैं और कभी–कभी हम कहीं से भी आरंभ करते हैं। इससे कोई अंतर नहीं पड़ता कि हम कहां है... और वे वहां सभा में वास्तव में कभी–कभी इस मंच पर आने से पहले चंगे हो जाते है। कितने यह जानते हैं, कि वे दोनों अपरिचित और... ठीक है, निश्चय, इससे कुछ नहीं होता।

193 नंबर छह, वह आ गया? नंबर सात। नंबर आठ। किसके पास प्रार्थना पत्र आठ है? पहले ही है? नंबर नौ।

194 आठ, नंबर आठ, हम चाहते कि आप अब ले ले। हो सकता कोई बाहर। यदि वे है, कोई उनके हाथ उठाएं, या कुछ, कोई बाहर है, जो अंदर नहीं आ सकता। नंबर आठ। भाई कोलिन्स क्या कोई पीछे है, प्रार्थना पत्र नंबर आठ, अंदर आने का यत्न कर रहा है? ठीक है, प्रार्थना पत्र नंबर आठ। ठीक है।

195 नंबर नौ। प्रार्थना पत्र नौ, अपना हाथ उठाएं। हो सकता है, वे बाहर चले गए, अंदर नहीं आ सकते। यदि वे अंदर आए, तो उन्हें पंक्ति में कर ले।

196 नंबर दस, अपना हाथ उठाएं। वह पीछे वह व्यक्ति। आइए, श्रीमान। आपको अंदर बुलाते हुए प्रसन्नता है। आप वहां पीछे खड़े हुए थे, हाथ ऐंठे हुए हैं। नंबर दस।

197 नंबर ग्यारह। अपना हाथ उठाएं, किसके पास प्रार्थना पत्र नंबर क्यू ग्यारह है। ठीक है, ग्यारह।

बारह, क्यू नंबर बारह। पीछे... ठीक है, बारह।

198 तेरह। तेरह। अपना हाथ उठाएं कृपा करके, ताकि मैं देख सकूं। प्रार्थना पत्र तेरह, क्यू तेरह। चौदह। चौदह। पंद्रह। बिली तुमने कितने पत्र बांटे हैं, सौ? तेरह, चौदह, पंद्रह नहीं है। प्रार्थना पत्र तेरह, चौदह और पंद्रह, क्या आप लोग यहां है? पंद्रह, सोलह, सतारह, अठारह, उन्नीस, बीस।

199 क्यू पहले, फिर जे पर, और तब लाईन में नीचे चलेगे। मैं सोचता हूं वे इन्हें लेने का यत्न कर रहे है, पहले, देखिये। जब हम इन्हें बुला ले, हम दूसरो को लेगे जैसे कि हम आते हैं। क्या कहा? [एक भाई, भाई ब्रंहम से बात करता है—सम्पा।] यही है। आपने देखा हमने कार्ड दिए हैं इस प्रात:, और लोग वापस नहीं जाते हो सकता है। समझे? ठीक है।

200 हम इस छोटे से ही आरंभ करें। कैसे... आप अपनी लाईन में लगे रहे? ठीक है अब, किसके पास क्यू में पंद्रह, सोलह, सतारह, अठारह, उन्नीस, बीस है? इक्कीस, बाईस, तेवीस, चौबीस, पच्चीस। अब तैयार हो जाए, जैसे ही यह पूरा हो जाए। अब यहां हमारी पक्ति पूरी हो गई है। और तब हम उनके पास आएंगे और पंक्ति में आगे बढ़ेंगे, तब बाकी बचे हुओं पत्रों को लेंगे, जे, जहां से हमने छोड़ा था, और फिर अंत तक पूरा करेंगे।

201 अब कुछ क्षणों के लिए पूर्ण भक्ति भाव में रहे। अब, मेरी इच्छा है कि हमारे पास बैठने का स्थान होता। मेरी इच्छा है कि हमारे पास कोई विधि होती कि मैं यह कर सकता, परंतु हमारे पास है नहीं। परंतु, अब मैं चाहता हूं कि आप जैसे की भक्ति भाव में है। यह अब भी जल्दी है। नौ बजने में दस मिनट है। अगले आधे घंटे में सभा समाप्त हो जाएगी। इसलिए यह सभा को समापन है, और इसलिए अब वास्तविक भक्ति भाव में रहे और बहुत शांत रहें। और इधर उधर ना घूमे।

202 और यहां पर कितने हैं जिनके पास प्रार्थना पत्र नहीं है, और तो भी आप प्रार्थना करवाना चाहते हैं? अपने हाथ उठाएं। और भाई यह तो चारों ओर हैं। अब यदि आपके पास प्रार्थना पत्र नहीं है, मैं आपको कुछ वचन देना चाहता हूं।

203 एक बार प्रभु एक मृत छोटी लड़की को जीवंत करने जा रहे थे, जो अभी मरी नहीं थी, याईर की पुत्री। और एक स्त्री ने अपने हृदय में कहा, "मैं उसका विश्वास करती हूं कि वह पवित्र मनुष्य है। मैं उसका मसीह होने का

विश्वास करती हूं।" और उसको कई वर्षों से लहू जाने का रोग था। और वह भीड़ में घुस गयी और उसका वस्त्र छुआ। कभी यह कहानी पढ़ी है?

और यीशु रुका, और बोला, "किसने मुझे छुआ? "

204 और पतरस ने उसे डांटा। उसने कहा, "अरे, सब कोई तुझे छू रहे हैं। और तू क्यों कहता है, 'कि मुझे किसने छुआ? ' "

205 उसने कहा, "मैं कमजोर हुआ। सामर्थ, शक्ति मुझ में से निकली।" देखिए इससे आपको क्या होता है दर्शन? "मैं दुर्बल हुआ। मुझ में से शक्ति निकली।"

206 और उसने चारों ओर सभा की ओर देखा, जब तक उसने महिला को ढूंढ नहीं लिया। वह डर गई थी। उसने सोचा उसने कुछ गलत कर दिया। परन्तु उसने उसकी ओर देखा, और उसने उसके लहू जाने के विषय में बताया, और कहा, "तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया।" कितने जानते है कि यह सत्य है?

207 अब, आप बाईबल के ज्ञातओं, क्या बाईबल, यह कहती है, "यीशु मसीह इस समय एक महायाजक है, हमारा महायाजक जिसे कि हम अपनी दुर्बलता की भावनाओं से छू सकते है"? कितने यह जानते है? यदि वह महायाजक है तो वह अब हमारी दुर्बलताओ की भावनाओं से छुआ जा सकता है, वह कैसे कार्य करेगा, यदि वह कल, आज, और सर्वदा एक सा है? उसे उसी प्रकार कार्य करना है जैसे तब किया था। क्या यह ठीक है?

208 अब उसके पास शारीरिक देह नहीं, क्योंकि यह परमेश्वर के दाहिने हाथ पर है। परंतु उसके पास हमारे शरीर है जिसमें होकर वह कार्य करता है, और उसका आत्मा है जो हमारे द्वारा कार्य कर रहा है जैसे कि उसने कहा यह था। "मैं तुम्हारे साथ होऊंगा, तुम में; जो कार्य में करता हूं। तुम भी करोगे, तुम इससे भी अधिक करोगे, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूं।" वह हमारे स्थान में खड़ा होगा। समझे? परंतु वह हमें अपने आत्मा से अभिषेक करेगा।

209 अब आप जो यहां सभा में है, आप केवल इस ओर देखें। और मुझे ऐसे ना देखे जैसे भाई ब्रंहम। आप कहे, "प्रभु यीशु, आप महायाजक है, और आप इस भवन में है। और मैं आपको अपनी दुर्बलता के साथ छूना चाहता हूं, आपको बता रहा हूं कि मैं बीमार हूं। और आप इसे मेरे साथ प्रमाणित

करें, और जैसे भाई ब्रंहम आपके आत्मा के द्वारा ऐसे घूमें, और मुझे वैसे ही बताये जैसे आपने उस स्त्री को बताया। वह यह तय कर देगा।" मैं आपके विश्वास को प्रभु के नाम में यह करने के लिए चुनौती देता हूं। अब देखिए यदि यह ठीक है या नहीं। आप परमेश्वर से यह मांगे, यदि यह इस प्रकार होता है या नहीं। अब वास्तविक भक्ति भाव में रहे।

210 अब आप अपने रोगियों को ला सकते हैं। या, क्या यह मनुष्य? ठीक है। पहली बात पंक्ति में, पंक्ति के इस भाग...

211 यहां पर बहुत सारे लोग है। हम लोगों को पूरा रखना चाहते हैं जेफरसनविले के लोगों को; केवल नगर के बाहर लोग अंदर आने का यत्न कर रहे है। क्योंकि इस प्रकार की पंक्ति में, यदि लोग यहां से होंगे, जेफरसनविले के आस पास से, वे कहेंगे, "क्यों भाई ब्रंहम इन लोगों को जानते हैं। निश्चय ही, यही बात है।" परंतु व्यवहारिक रूप में, ये कभी भी अफ्रीका, और भारत में, और एशिया और यूरोप में और समस्त संसार के दूसरे स्थानों में नहीं थे। परंतु मैं यह नहीं जानता।

212 मैं विश्वास करता हूं, अब यह सारे लोग जो यहां पक्ति में है, मेरी और अपरिचितों के समान मुझे देख रहे हैं। क्या आप सब मेरे लिए अपरिचित है? यदि आप हैं तो अपने हाथ ऊपर उठाए। ठीक है। यह अच्छा है। यहां सभा में मेरे लिए कितनी अपरिचित है, या आप जानते हैं कि मैं नहीं जानता कि आपके साथ क्या परेशानी है? कोई मतलब नहीं वह कौन है। निश्चय ही, आप नहीं देखते। परंतु वह देखता है। अब, मैं नहीं कहता कि वह करेगा, परंतु यदि वह चाहेगा तो यह उसे ठीक यहां पर उपस्थित करेगा।

213 अब, यह व्यक्ति यहां है, मैं विश्वास करता हूं कि उस हाथ उठाया है कि वह और मैं एक दूसरे के लिए अपरिचित है। हम लोग अपरिचित है। मैंने इस व्यक्ति को अपने जीवन में कभी नहीं देखा। मैंने... [भाई कहता है, "मैंने आपको कभी नहीं देखा।"—सम्पा।] उसने मुझे अपने जीवन में कभी नही देखा। अब इस समय से पहले हम भवन में आए, और हमने अब एक दूसरे को देखा हमारा पहला अवसर है।

214 यहां पर फिलीपुस का सही चित्रण है, कि जाकर नतयेल को लाया और नतयेल यीशु के सामने आ रहा है। अब यह नहीं कि यह नतयेल, या मैं यीशु हूं। अब, यह ना सोचे। परन्तु यह वर्षो पश्चात प्रतिज्ञा के द्वारा, जो तब की गयी थी। और यहां दो मनुष्य है जो कभी भी अपने जीवन में नही

मिले, जैसे कि उस समय दो मनुष्य थे। और यदि यीशु एक सा बना रहता है, वह अपना आत्मा विश्वास पर उड़ेल सकता है, और मैं अपनी आत्मा विश्वास पर देता हूं मसीह को, पवित्र आत्मा के दिव्य वरदान के द्वारा, और वही आश्चर्यकर्म हो सकता है। क्या यह ठीक बात है? और यह अलौकिक है। कहे, "और एक आश्चर्य कर्म? " भाई, मैं इसे कैसे जान सकता हूं, यदि मैंने इसे कभी नहीं देखा? यहां मेरा हाथ है। हम पहले कभी नहीं मिले। हम, यहां पर पहली बार खड़े हैं। परमेश्वर उसे जानता है, मैं नहीं।

215 अब, ध्यान रखें, मेरी मेरे लिए प्रार्थना में रहे। अब, कभी–कभी इस समय में—में आत्मा अभिषेक करता है, अब इतना कुछ कर रहा है जब तक कि एक प्रकार से... ठीक है, मैं—मैं केवल यह चाहता हूं कि आप शांत बैठे वास्तविक भक्तिभाव में रहे। देखे। प्रार्थना में रहे।

216 अब, श्रीमान, मैं केवल आपको चाहता हूं, आपको नहीं जानता, परंतु आप यहां किस कारण से है मैं नहीं जानता। परंतु यह जो भी है, आपके बगैर बताए प्रभु यीशु मुझे बताएगा कि आप उससे क्या चाहते है, और यह उसे वह बना देगा जो मैंने आपसे कहा कि वह आज, कल, और सर्वदा एक सा है। आप विश्वास करते हैं? [भाई कहता है, "निश्चय ही।"—सम्पा।] ठीक है। यह विश्वास करता है। और अब सभा यह विश्वास करती है। और प्रभु ने कहा है वह इसे करेगा, अपनी बाईबल में।

217 अब यहां जहां मैंने पाया या तो परमेश्वर की बाईबल के साथ सत्य बताऊं, या बाईबल ने कुछ प्रतिज्ञा की है जो कि यह पूरा नहीं कर सकती है, या मैं एक ढोंगी हूं; यह या वह है। समझे? यह ठीक बात है। देखिए आप स्वयं को कहां रखते हैं। मैंने यह हजारों हजार लोगों के आलोचनाओं के सामने किया है। परंतु मैं जानता हूं कि वह प्रतिज्ञा करता है, और वह अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करता है।

218 अब मैं इस यहां आरंभ होते हुए देखता हूं। मैं आपके चारों ओर लोगों को देखता हूं। मंचों पर और बाहर सभा के, और हमारे पास कभी भी कोई चारों ओर नहीं था। समझे? यहां बीमार लोग हैं। जैसे ही यह आरंभ होता है, आप इसे अनुभव कर सकते हैं। यह पवित्र आत्मा है। अब वास्तविक भक्ति भाव में रहे, बस अब आदरपूर्ण जितना हम कह सकते है। जी हां, श्रीमान। प्रभु यीशु हम दोनों से प्रेम करता है क्योंकि हम दो मनुष्य है जिनके लिए वह मरा। और हमारी पहली बार की भेट। यदि आप आवश्यकता में है,

परमेश्वर उस आवश्यकता को पूरा कर सकता है, क्योंकि उसने प्रतिज्ञा कि है कि वह करेगा।

219 परंतु, यदि मनुष्य अपने ह्रदय में निष्ठावान है, तो वह जानता है कि कुछ घटित हो रहा है। वह सही नहीं सोच सकता है कि यह क्या है। परंतु वह स्वर्ग दूत जिसे आप चित्र में देखते हैं, इस मनुष्य के पास, और पास आ रहा है, और वह मुझ से ओझल हो रहा है। और यह व्यक्ति ह्रदय के रोग से पीड़ित है और इस मधुमेह है। यह ठीक बात है। यह **आत्मा यों कहता है**, है। यदि यह ठीक बात है, तो अपना हाथ उठाएं।

220 अब, यदि मैंने आपको कभी नहीं देखा, तो मैं आप के विषय में कोई बात कैसे जान सकता हूं? उसी तरह इसी प्रकार से उसने वहां जाना। क्या यह ठीक है? [भाई कहता है, "यह ठीक बात है।"—सम्पा।] क्या सभा इसका विश्वास करती है? [सभा कहती है, "आमीन।"]

221 अब, क्यों—क्यों ना हम अपना थोड़ा समय ले, बस जरा सा, ताकि आप देख सके, कि कुछ अनुमान लगाना नहीं है। अब हम कुछ और ले, और थोड़ा देखें यदि पवित्र आत्मा कुछ और प्रगट करें। चलिए इस मनुष्य से जो यहां खड़ा है थोड़ी बात करें, एक मिनट। हो सकता है इसके जीवन में कुछ और हो, हो सकता है, उसके साथ कुछ और गड़बड़ी हो। मैं नहीं जानता।

222 वास्तव में मैं नहीं जानता कि मैंने क्या कहा। मुझे यहां इस लेखे में देखना पड़ेगा, क्योंकि देखिए यह दर्शन है, आप देखिए यह कहां पर था। हां, अब मैं इसे देखता हूं। यह कुछ इसके लहू के विषय में है। यह मधु, जी हां, यह मधुमेह है। इसे मधुमेह है, और यह ह्रदय रोग में बढ़ गई, जो कि ह्रदय के डर का कारण है। कभी–कभी यह इसे होता है। और यह इस नगर से नहीं है। परंतु यह इंडियाना से, उस स्थान के पास जो कि बोर्डन कहलाता है वहां से है। आप... मैं बोर्डन देखता हूं। आप बोर्डन से है। यह **यहोवा यों कहता है**, है। यही है।

और आपके जीवन में कुछ गड़बड़ी है।

223 यहां पर दूसरी चीज है। मैं यहां दर्शन में एक स्त्री को प्रगट करते हुए देखता हूं, क्योंकि आप–... यह आपकी पत्नी है, और उसे किसी चंगाई कि आवश्यकता है। और वह एक प्रकार की खांसी से पीड़ित है। यह उसे दमा है।

224 और आपके जीवन में भी कुछ गड़बड़ी है, जिसके लिए आप यत्न कर रहे हैं। विश्वास से आप पेंटीकोस्टल है, क्योंकि, आप देखिए कि एक पेंटीकोस्टल सभा में जहां वे चिल्ला और अपने हाथों से तालियां बजा रहे हैं। और आप छोड़ने का यत्न कर रहे है... आप धूम्रपान करते हैं। और आप इसी से पीछा छुड़ाने का यत्न कर रहे हैं, सिगरेट पीने से। यह बिल्कुल ठीक बात है। यह **यहोवा यों कहता है** है। यह सत्य है कि नहीं? निश्चय ही, यह है। समझे? क्या आप विश्वास करते हैं कि अब वह यहां पर उपस्थित है? क्या आप अपनी चंगाई को स्वीकार करने के लिए तैयार है?

आईये हम अपने सिरों को झुकाए।

225 प्रभु परमेश्वर जिसने यीशु मसीह को जिलाया जो अब उपस्थित प्रभु, यह मनुष्य, यहां जो कि परमेश्वर की आशीषो के लिए कि उस पर ठहरे उपस्थित है, हम प्रार्थना करते हैं कि आप उसके हृदय की इच्छा को प्रदान करेंगे, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

226 अपने घर वापस जाए, और जैसा अपने आपने विश्वास किया है। वैसा ही पाए, उसी प्रकार से यह होगा। परमेश्वर आपको आशीष दे।

227 क्या आप विश्वास करते हैं? सर्वशक्तिमान परमेश्वर, जिसने यह बाईबल लिखी, जिसका आत्मा यहां पर उपस्थित है, यह जानता है कि मैंने इस मनुष्य को अपने जीवन में जानते हुए कभी नहीं देखा, इस मिनट तक। परंतु मैं एक बात जानता हूं, कि पवित्र आत्मा यहां पर है। मैं नहीं जानता कि वह क्या करेगा, परंतु मैं जानता हूं कि वह यहां पर है।

228 क्या यह वही महिला है? ठीक है। क्या हम एक दूसरे के लिए अपरिचित है? तो, आपने—आपने—आपने मुझे एक सभा में देखा है, परंतु मैं आपको नहीं जानता। यह ठीक बात है। ठीक है। तो फिर आप यहां किसी उद्देश्य से है।

229 अब, यह महिला यहां हो सकती है... यह मसीही भी हो सकती है; या नहीं भी। यह आलोचक भी हो सकती है। यदि यह है, देखिए कि क्या होता है। समझे? और मैं नहीं जानता कि वह यह किसलिए है।

230 मेरी मां यह यहीं कहीं भवन में बैठी हुई है, एक अधिक आयु की महिला। क्या आप सोचते हैं कि मैं उस बेचारी को नुकसान पहुंचाने का यत्न करता हूं? आप सोचते है कि मैं उसके पास एक धोखेबाज के समान आऊंगा? मैं निश्चित ही नहीं आऊंगा। बल्कि इससे तो मैं मंच छोड़कर और घर चला

जाऊं; मैंने सुसमाचार प्रचार किया है। परंतु यह सब संदेश के साथ नहीं चलेगा। मसीह कल, आज, और सर्वदा एक सा है। चिंता नहीं कि संसार इस विषय में क्या कहता है। हमें इसके पक्ष में खड़े होना है, चाहे जो हो। परमेश्वर ने कहा इसे करो।

231 आपको नहीं जानता; और, यह सही है कि आप सभा में बैठी थी, हो सकता है जहां पर सैकड़ों–सैकड़ों लोग हो, मेरे पास आपको जानने का कोई मार्ग ना था। परंतु यहां अब वह यूहन्ना 4 का चित्र है, एक पुरुष और एक स्त्री पहली बार भेट कर रहे है। हमारा प्रभु और सामरी स्त्री फिर मिल रहे हैं। अब उन्होंने बात की। उसने उसकी आत्मा से संपर्क किया, और जाना कि उसके साथ क्या गड़बड़ी है, और उसे बताया और उसने उसे पहचान लिया कि यह मसीह है। क्या आप भी वही काम करेगी? आप करेगी।

232 क्या सभा भी यही कार्य करेगी, हर महिला जो यहां है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] परमेश्वर इसे ग्रहण करें। जी हां।

233 यह महिला एक—एक अधीरता की स्थिति से पीड़ित है। यह इसे बहुत समय पहले से है, बहुत वर्षों पहले से। मैं अभी इसे एक नवयुवती के समान देख सकता हूं। परंतु यह वह विशेष नहीं है जिसके लिए वह प्रार्थना करवाना चाहती है। यह जोड़ों का दर्द है जिसने इस पंगु कर दिया है। यही है जिसके लिए आप मुझ से प्रार्थना करवाना चाहती है।

अब क्या आप विश्वास करती है?

234 हम इससे थोड़ी और बात करें। हो सकता है पवित्र आत्मा इसे प्रदान करें। वास्तव में यह महिला एक—एक विदेशी आरोही है। इसका नाम हेनसन है। यह सत्य है। नोर्विजियन या स्वेडन की, एक। आप इस नगर से नहीं है। आप एक स्थान जो केन्टन कहलाता है वहां से है। और यह बड़े गांव में है जहां पर बहुत सा गेहू होता है। और यह मिनेसोटा है। आप यहीं से है। यह सत्य है। अब घर वापस जाइये; आप चंगी हो गई है। यीशु मसीह ने आपको चंगा कर दिया। लोगों को बताये कि प्रभु ने आपके साथ कितना अच्छा कार्य किया है।

235 मैं समझता हूं कि हम दोनों एक दूसरे के लिए अपरिचित है। [बहन कहती है, "हां। मैं एक सभा में थी, परंतु आप मुझे नहीं जानते।"—सम्पा।] मैं आपको नही जानता। नहीं, माताजी। परंतु प्रभु आपको जानता

है। आप यहां किस उद्देश्य से है। मैं नहीं जानता। परंतु यदि प्रभु यीशु मुझे बता देगा कि आप यहां पर किसलिए है, तो आप जान जाएंगे कि यह सत्य है। यदि मैं आकर यहां यह कहता हूं कि, "आप रोगी महिला है।" तो निश्चय, ही आप प्रार्थना पंक्ति में खड़ी होती, यह यही दर्शाता है... [टेप पर खाली स्थान।]

236 आपका परिक्षण यह दर्शाता है कि आपके कलेजे में कुछ गड़बड़ी है। उसने कहा कि यह सूत्रण रोग है। यह ठीक है। एक मिनट इससे बात करूं। केवल... क्या आप विश्वास करती है कि वह प्रभु यीशु जिसने कुएं पर, उस स्त्री से बातें की आज भी वैसा ही है? [बहन कहती है, "हां।"—सम्पा।] प्रतीत होता है? कि, आप में एक अच्छी आत्मा है। आप यहां से नहीं है। आप पूर्व से आई है, ओहियो से। यह ठीक है। डेटन, ओहियो से, यहां आने के लिए। यह ठीक है।

237 मैं देखता हूं... आप किसी और के लिए प्रार्थना कर रही है। वह एक लड़का है। उसे ह्रदय रोग है। उसे फोड़ा भी है, एक अधीर किस्म का लड़का। यह ठीक है। और आप उसके प्राण के लिए प्रार्थना कर रही है, क्योंकि वह, बचा हुआ नहीं है। यह **यहोवा यों कहता है**, है। यह सत्य है, है कि नहीं? आप ठीक हो गई, वापस जाए। उसे बताएं, हिम्मत रखें। यीशु मसीह...

238 महिला मैं आपको नहीं जानता, नहीं जानता। परमेश्वर आपको जानता है। यदि परमेश्वर मुझे बता दें कि आपकी क्या परेशानी है, तो आप विश्वास करेगी कि मैं उसका दास हूं? केवल उसे सिद्ध कर रहा हूं। देखिए, मैं क्या करना चाहता हूं कि इन लोगों को जो ऊपर आ रहे हैं, इस प्रार्थना पंक्ति में वे उसे अनुभव कर ले कि वह यहां है।

239 सभा में कुछ हुआ है। वह दो महिलाएं चश्मा पहने खड़ी है। किसी ने उसे अपनी दुर्बलताओं में छुआ है। यदि मैं केवल उस महिला को देख सकता हूं, जो... आपके कान की परेशानी, अब समाप्त हो गई है। उस महिला को देखें, वह इसके साथ कितनी समानता में है। वे वहां खड़ी थी। मैं उन्हें देख सकता था। परंतु एक *यह* कर रही थी; और *इस* वाली को कुछ नहीं हुआ।

240 इसका कारण यह है कि यह महिला किसी के लिए खड़ी है। यह ठीक बात है। और वह महिला तुम्हारी पड़ोसन है। और उसे जोड़ों का दर्द है।

और आप उसके लिए खड़ी है। और मैं आपको उसके लिए प्रार्थना करते देखता हूं, क्योंकि वह बची हुई नहीं है। और आप उसके लिए प्रार्थना कर रही है। यह बहादुरी की बात है। यह रुमाल उस पर डाल दें, जो आपके हाथ में है। उसे बताएं कि संदेह ना करें और अपने जीवन को मसीह को समर्पित कर दें, और जोड़ों का दर्द उसे छोड़ देगा।

241 [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... रो रही है बहन? आप परमेश्वर पर विश्वास करती है? आप मुझ पर उसका दास होने का विश्वास करती है? आप विश्वास करती है कि परमेश्वर मुझे बता सकता है कि आप क्यों रो रही है, और आपकी क्या इच्छा है? यदि आप यह विश्वास करती है तो अपना हाथ उठाए। आप विश्वास करती है कि वह स्वर्ग पर उठाए जाने से रह जाएगी? यदि आप विश्वास यह करेगी तो वह जाएगा। केवल विश्वास कीजिए। बस संदेह ना करें।

242 आप कैसे हैं? लगता है हम एक दूसरे से अपरिचित है। प्रभु यीशु हम दोनों को जानता है। आप स्वस्थ युवा महिला है। परंतु यहां आप अपने लिए नहीं है। मैं अस्पताल देखता हूं, एक पलंग। और यह आपकी मां है जिसके लिए आप प्रार्थना कर रही है, और उस पर मृत्यु मंडरा रही है। और उनके पित्त में फोड़ा है। और उन्हें कैंसर भी है, कैंसर की एक काली छाया। इस रुमाल को, जिसे लिए हुए आप रो रही है, उसे उसके ऊपर रख दे। और प्रभु के नाम पर विश्वास करें, और सन्देह ना करें। यदि आप सन्देह ना करें, तो परमेश्वर उसे वहां से निकाल लाएगा और उसे चंगा करेगा। अब सन्देह ना करें। प्रभु के नाम में जाए और विश्वास करें।

243 क्या आप निश्चित है कि मसीह जीवित है?

244 कुछ सही है... ओह, यह महिला है जो पीछे वहां बैठी है, उस कुर्सी में वह सर दर्द से पीड़ित है। और वह वे प्रभु से प्रार्थना कर रही है। और उस बालक की देख रेख करने का यत्न कर रही है। बहन उसने आपकी सुन ली है। अब यह समाप्त हो गया है। महिला अपने पैरों पर खड़ी होकर, परमेश्वर की महिमा करें। केवल इसके लिए परमेश्वर को महिमा दे। समझे?

245 उसने किसे छुआ? उसने मुझे कभी नहीं छुआ। परन्तु उसने उस महायाजक को छुआ। मैं महिला को नहीं जानता। मैंने उसे अपने जीवन में कभी नही देखा। परंतु परमेश्वर ने उसे तभी ठीक किया। क्या यह यीशु को

कल, आज और सर्वदा एक सा नहीं बनाता? निश्चय ही, यह बनाता है। यदि तू विश्वास करें! विश्वास करने वालों के लिए सब बातें संभव है।

246 यह सभा में है, कोई प्रार्थना कर रहा है। देखो, यह निर्भर करता है कि सामर्थ पहले कहां प्रभुता करती है, जहां पर आत्मा है। मैं केवल अनुकरण करके और वही कहता हूं जैसा वह कहता है; मैं नहीं जानता। ओह, यह वह महिला है जो रोने के बाद अपना चश्मा पहन रही है। उसके रोने का कारण यह था, क्योंकि आत्मा उस पर था। वह वहां है। जिससे आप पीड़ित है वह आपकी छोटी आंत कि परेशानी है, विश्वास रखिए, यह आपको छोड़ देगी और कभी वापस नहीं आएगी। मैं महिला को नहीं जानता। मैंने उसे कभी नहीं देखा। उसने मुझे कभी नहीं छुआ। उसने महायाजक को छुआ।

यदि आप विश्वास करें!

247 यह दूसरी महिला पर है। मैं किसी को चाहता हूं, जो यहां देखना चाहता है। उस रोती हुई महिला को देखिए उससे अगली महिला को देखिए, साधारण रीति से बैठी है; उससे अगली महिला को देखिए रो रही है। उसे ह्रदय रोग है, वह बेचारी महिला वहां बैठी है, मेरी अपने उससे देख रही है... जी, हां। यह ठीक बात है। आपको ह्रदय रोग था। क्या नहीं था? यह आप में से चला गया। आपके विश्वास ने परमेश्वर के साथ आग लगा दी, और आपने उसे छुआ।

ओह, यह तो अद्भुत है!

248 देखिए वह महिला वहां अपना सिर नीचे किए, प्रार्थना कर रही है? सफेद बालों वाली, मेरे लिए अपरिचित है, वहां बैठी है। जी हां। आप घूम कर उसे देखिए। उसके पित्त में गड़बड़ी है। वह परमेश्वर से प्रार्थना कर रही है कि उसे उससे हटा दें। और तब आप प्रार्थना कर रहे थे, "प्रभु, वह मुझे पुकारे।" यह ठीक बात है। यदि यह ठीक है, तो अपना हाथ उठाएं। मुझे आपकी प्रार्थना कैसे मालूम हो गई? यह आपके पास से चला गया। आपके विश्वास ने आपको चंगा कर दिया। घर जाए और चंगे रहे।

249 क्या आप विश्वास करते हैं? यदि आप विश्वास करें, तो सब कुछ संभव है। परंतु आपको विश्वास करना है।

250 अभी भी उसी क्षेत्र में मंडरा रहा है, जो *वहां* बैठे हैं। ठीक *यहां,* अंतिम से दूसरा, उच्च रक्तचाप। बहन यदि आप अपने संपूर्ण ह्रदय से विश्वास करें, तो यह समाप्त हो गया। क्या आप परमेश्वर का विश्वास करती है उसे उसके

वचनों पर लीजिए? ठीक है। अपना हाथ उठाए। आप यही प्रार्थना कर रहे थे। "प्रभु, अगली बार वह मुझे पुकारे, इस उच्च रक्तचाप के लिए।" मैं आपके लिए अपरिचित हूं। यदि यह ठीक है, तो अपना हाथ हिलाए। ठीक है। यह आपके पास से चला गया। घर जाए और चंगे रहे।

251 आप देखिए, यह क्या है? यह विश्वास है। और तू इसका विश्वास कर सकता है! क्या आप विश्वास करते हैं? उन लोगों को देखिए, जो बाहर है उनके पास कोई प्रार्थना पत्र या कुछ भी नहीं है। क्या आप विश्वास करने के लिए तैयार है? क्या इसी विधि से प्रभु यीशु ने किया, जब वह यहां पृथ्वी पर था?

252 यहां है, यह वाला है—है, श्रीमान आईये? ठीक है। आप नही जानते, उसने आपके साथ क्या किया। इस ब्रंहम आराधनालय के साथ, अब जरा इस हाथ के ऊपर देखिए। समझे? आप जानते हैं, इस तरह का नहीं हूं। यह क्या है? प्रभु का आत्मा। यह अभिषेक है।

253 बहुत से लोग नहीं समझते हैं कि अभिषेक का क्या अर्थ होता है। वे सोचते हैं, इसका अर्थ चिल्लाना होता है। वह आनंद है। सामर्थ गंभीरता से आता है। समझे? वह प्रभु का आनंद है। यह प्रभु का सामर्थ है; उसे चंगा करें, उसे अच्छा करें। देखिए, उस रात्रि उस छोटी लड़की के साथ क्या किया, जो पंगु अवस्था में थी; उस अंधे मनुष्य के साथ, दूसरों के साथ सब में हर स्थान पर।

254 श्रीमान, आप कैसे हैं? मैं समझता हूं कि हम एक दूसरे के लिए अपरिचित है। हम एक दूसरे को नहीं जानते। मैं आपको नहीं जानता, और आप मुझे नहीं जानते। यदि यह ठीक है, तो अपना हाथ उठाएं। ठीक है, हमारी पहली बार की भेंट है। अब आदरपूर्ण। यहां एक मनुष्य है और वो और मैं... जो मुझसे बहुत छोटा है, एक दूसरे के सामने प्रभु के समक्ष हमने हाथ उठाए हुए है, कि यह हमारी पहली भेंट है। यीशु इस मनुष्य को जानता है। और कुछ गड़बड़ होनी चाहिए; यह वहां खड़ा है। मैं नहीं जानता।

255 परंतु यदि मैंने सत्य बताया है, जिसकी परमेश्वर ने बहुत सी गवाहियो के द्वारा पुष्टि की है, कि मैंने आपको सत्य बताया है, कि, "उसके कोडो से तुम चंगे हुए थे।" यह भूतकाल है। आपके पास मजबूत विश्वास होना चाहिए, कि इन चीजो के ऊपर चढ़ जाये।

256 देखिए आज रात्रि यहां से कैंसर गायब हो रहा है! अब केवल आप उस गवाही को देखिए जो यहां आ रही है, वे मृत्यु की काली छायाये। आपके प्रिय डॉक्टर ने यत्न किया होगा, सब कुछ किया कि आपका जीवन बचा ले। परंतु जब परमेश्वर कुछ कहता है, तो फिर वही है। और यह मैं नहीं था। मुझे इससे कुछ लेना देना नहीं।

257 अब यहां लगभग दो सौ है प्रार्थना करने के लिए। मैं अब थोड़ा सा एक मिनट के लिए विश्राम चाहता हूं। और तब हम लोगों के लिए प्रार्थना करना आरंभ कर देंगे, उन्हें ऊपर लाएं; ना कि उन्हें पंक्ति में चलाएंगे, परंतु यहां खड़े होकर उनके लिए प्रार्थना करेंगे। जो भी प्रार्थना करवाना चाहता है मैं उसके लिए प्रार्थना करना चाहूंगा।

258 परंतु सभा में और वे जो यहां मंच पर है, मैं चाहता हूं, कि आप पहचाने कि यीशु मसीह यहां है। क्या आप सब इस बात से अवगत है? हर कोई यह बात जानता है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

259 अब, यह बात आपके मस्तिष्क में सदा के लिए तय हो सकती है। यह व्यक्ति और मैं, यह अपने हाथ परमेश्वर के सन्मुख उठाए हुए हैं, हमारी पहली बार की भेंट। यदि वह इसके हृदय के गुप्त विचार को बोलेगा, जैसे कि उसने कुएं पर स्त्री के साथ किया, या फिलिपुस के साथ या कहीं भी सब जगह अपनी सेवकाई के काल में, यदि वह यह करेगा, तो क्या यह आप सबको पुष्टि कर देगा, कि यह पूर्णत: वही है, प्रभु यीशु?

260 क्या आपको, श्रीमान? [भाई कहता है, "जी हां, श्रीमान।"—सम्पा।] मेरे पास कोई विधि कोई विचार नहीं है कि आपकी क्या परेशानी है। मैं नहीं जानता कि आप पापी है या मसीही। मैं आपको नहीं बता सकता। वह करता है; परमेश्वर करता है। परंतु मैं आपको बता सकता हूं। परंतु यदि वह मुझे बताएं... परंतु आप मसीही है। ["जी हां।"] क्योंकि, जैसे ही आपकी आत्मा ने अभिषेक ग्रहण किया जो मुझ पर है, उसने इसका स्वागत किया, इसलिए मैं जानता हूं कि आप मसीही है।

261 और आप एक गहरी छाया के नीचे है। यहां लहू के साथ कुछ गड़बड़ है। और आप डॉक्टर के पास गए थे। और वे शल्य चिकित्सा करना चाहते थे, और वह शल्य चिकित्सा, मैं उन दो डॉक्टरो को आपस में परामर्श करते हुए सुनता हूं, और वे आपके शरीर में से कोई अंग निकाल देना चाहते है, जो कि तिल्ली कहलाती है। यह ठीक बात है।

262 और आप इस नगर से नहीं है, परंतु आप एक बड़े नगर से हैं जहां एक प्रकार के बड़े धार्मिक संस्थान है। यह व्हीटन है। और आपका नाम कार्ल रोहडेस है, रोहडस कुछ कार्ल रोहडस के समान। ठीक है, श्रीमान। यदि आप अपने पूर्ण ह्रदय से विश्वास करेंगे, तो आप अपने घर वापस जा सकते हैं और परमेश्वर आपका जीवन बचा लेगा। क्या आप विश्वास करते हैं? [भाई कहता है, "मैं इसका विश्वास करता हूं।"—सम्पा।]

हम प्रार्थना करें।

263 प्रभु यीशु, अब हमारे भाई के जीवन से यह बुराई दूर कर दें। और यीशु मसीह के नाम में वह परमेश्वर की महिमा के लिए जीवित रहे। आमीन।

भाई, परमेश्वर आपको आशीष दे। आनंद करते हुए अपने मार्ग पर जाए!

264 अब कितने अपने पूर्ण ह्रदय से विश्वास करते हैं?

अब, यही सब है जिनके लिए प्रार्थना की जानी है? ठीक है।

265 जब आप वहां बैठे हुए थे तब ही आपकी पीठ की परेशानी आपको छोड़कर चली गई, इसलिए आप अपने मार्ग पर जा सकते हैं यदि आप चाहें तो आनंद करें। और केवल यह कहते हुए जाए, "अच्छे, प्रभु का धन्यवाद!"

266 आप जाएं और अपना रात्रि का भोजन खाए। आपके पेट की परेशानी आपको छोड़ गई, पंक्ति में आते हुए आप भी जाकर अपना मार्ग ले। केवल अपने पूर्ण ह्रदय से विश्वास करें।

267 आपके जोड़ों का दर्द आपको परेशान नहीं करेगा, यदि आप आप इसका विश्वास करेंगे। केवल बढ़ते जाए और परमेश्वर की महिमा करें भाई, यदि आप चाहे। ठीक है। ठीक है।

268 क्या आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते हैं? कितने परमेश्वर पर विश्वास करते हैं? अब मैं यहां एक क्षण के लिए आगे बढ़ना चाहता हूं...

परमेश्वर द्वारा बुलाया हुआ मनुष्य HIN58-1005E

(God-Called Man)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार शाम, अक्टूबर 5, 1958, को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविल, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org